वर्ष : 17 ❖ अंक : 55 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 26 सितम्बर 2022

नीतीश बिहार में खो चुके हैं जनाधार : दिनेश शर्मा 3

नीतीश कुमार की हैसियत बस दो सांसद की : केशव प्रसाद मौर्य 8

प्रोपगेंडा चलाने पर भारी रकम खर्च कर रही है एसकेएम सरकार : चामलिंग

'बाल यौन हिंसा व सड़क दुघर्टनाओं पर जताई चिंता'

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 सितम्बर । पूर्व मुख्यमंत्री तथा सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) सुप्रीमो पवन चामलिंग ने सूबे में बाल यौन हिंसा तथा सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में बेतहाशा वृद्धि पर चिंता जाहिर करते हुए राज्यवासियों से इसके खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया है। साथ ही उन्होंने राज्य में बढ़ती मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी पर भी चिंता जतायी है। उनके अनुसार वर्तमान राज्य सरकार सड़कों की मरम्मत पर धन खर्च करने की बजाय अपनी विफलताएं छिपाने हेतु सोशल मीडिया पर प्रोपगेंडा चलाने वालों पर भारी-भरकम धनराशि खर्च कर रही है। वहीं बदहाल सड़क के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, जिनमें काफी सारे लोगों को असमय ही अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है।

एसडीएफ के प्रचार-प्रसार मामलों के उपाध्यक्ष कृष्ण खरेल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। उनके अनुसार यहां एक बातचीत में पार्टी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने कहा कि वर्तमान में मुख्य रूप से चार नकारात्मक बातों के लिए सिक्किम ने राष्ट्रीय स्तर पर सबका ध्यान आकर्षित किया है। इनमें बाल यौन हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें, मुद्रास्फीति दर और बेरोजगारी शामिल हैं। उनके अनुसार वर्तमान में बाल यौन हिंसा के मामलों में सिक्किम 48.6 प्रतिशत के साथ पूरे देश भर में पहले नंबर है। वहीं सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के मामले में भी यह 10.2 प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर है। इसके अलावा मुद्रास्फीति दर (8.01 प्रतिशत) और बेरोजगारी (24.5 प्रतिशत) के क्षेत्र में राज्य का पूरे देश में तीसरा स्थान है। चामलिंग ने कहा कि सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडिया इकॉनमी के अनुसार 2019 में जब एसडीएफ सरकार राज्य की सत्ता से हटी थी, तब यहां की बेरोजगारी दर महज 2.1 प्रतिशत थी। उसके बाद एसकेएम शासन काल में इसमें 22.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह हमारे युवाओं के प्रति एक अक्षम्य अपराध है और इससे साबित होता है कि राज्य गरीबी के गर्त में जा रहा है।

वहीं पवन चामलिंग ने आगे कहा कि बाल यौन हिंसा के मामलों में राज्य का पहले स्थान पर होना सच में काफी परेशान करने वाला है। आज राज्य की स्थिति ऐसी है कि यहां लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। यह वह सिक्किम नहीं है, जिसे हमने तीन वर्ष पहले एसकेएम सरकार को सौंपा था। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं के क्षेत्र में 10.2 प्रतिशत का आंकड़ा देश भर में सर्वाधिक है और यह राष्ट्रीय औसत 5.1 प्रतिशत का दुगुना है। उनके अनुसार पिछले महज एक वर्ष में ही राज्य में सड़क दुर्घटनाएं 13 फीसदी बढ़ी हैं। यह राज्य की सड़कों की बदहाल स्थिति दर्शाता है।

एक आंकड़े का हवाल देते हुए उन्होंने बताया कि 2022 के शुरुआती पांच महीनों में ही राज्य में विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में 33 लोगों की मृत्यु हो चुकी है और 72 लोग जख्मी हुए हैं। राज्य सरकार हर रोज टैक्सी चालकों से जुर्माने के तौर पर करोड़ों वसूलती है, लेकिन उन्हें उनकी तथा इन टैक्सियों में यात्रा करने वालों की जान की फिक्र नहीं है। वर्तमान में सिक्किम की सड़कें पूरे देश में सबसे बुरी स्थिति में हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में तो कई सड़कें वर्षों से बंद पड़ी हैं। यहां तक कि सिक्किम के प्रमुख जीवन रक्षक चिकित्सा संस्थान एसटीएनएम अस्पताल जाने वाली सड़क भी ऐसी है कि उस पर चलने से घोड़ा गाड़ी पर चलने जैसा प्रतीत होता है। इतना ही नहीं राज्य सरकार भी बेशर्मी पूर्वक कह रही है कि उसके पास सड़क मरम्मत के लिए पैसे नहीं हैं। वहीं सरकार अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए लग्जरी गाड़ियां खरीद कर आये दिन घूमते रहते हैं।

इसके साथ ही पवन चामलिंग ने आगे कहा कि बढ़ती महंगाई कारण पहले से ही राज्य की जनता परेशान है। ऐसे में आसन्न दो बड़े त्योहारों-दशईं और दीपावली-पर घरों-दुकानों की मरम्मत, नये कपड़ों, उपहारों आदि की खरीद उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन गयी है। उनके अनुसार केवल राज्य के मुख्यमंत्री के करीबी रिश्तेदार, मंत्री, विधायक एवं एसकेएम के अधिकारी ही इसका आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम पीएस गोले एवं उनके झूठे साथियों ने त्योहार पर हरेक परिवार को 50 हजार रुपए की एकमुश्त राशि देने का वादा किया था। लेकिन वे इससे मुकर गये हैं।

पवन चामलिंग ने कहा कि राज्य के युवा बेरोजगारी से तनाव में हैं। वहीं मुख्यमंत्री सरकारी पैसों से कुछ युवाओं को सोशल मीडिया पर अपने समर्थन में प्रोपगेंडा चलाने हेतु मोटी रकम का भुगतान कर रहे हैं। ये किराये के लोग मुख्यमंत्री द्वारा कुछ युवाओं एवं जरूरतमंद लोगों को 10 हजार रुपए देने की तस्वीरें निकाल कर उनकी लंबी-लंबी तारीफें करते हैं। यह 21वीं सदी का हमारा सिक्किम है। राज्य में शिक्षित, प्रतिभावान, कुशल एवं मेहनती युवाओं के लिए नौकरी नहीं है। वहीं युवाओं को नौकरी या व्यवसाय के अवसर मुहैया कराने के स्थान पर मुख्यमंत्री उन्हें तम्बोला पकड़ा रहे हैं। वर्तमान में राज्य सरकार खुले में जुए का समर्थन कर रही है जो युवाओं का भविष्य बिगाड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि यह केवल मौजूदा स्थिति की कुछ झलक भर है। राज्य की स्थिति इससे अधिक खराब है।

ऐसे में पवन चामलिंग ने नागरिक समाज के सदस्यों तथा स्थानीय बुद्धिजीवियों से राज्य की इस समग्र चिंता के खिलाफ आगे आने का आह्वान किया है। उनके अनुसार वर्तमान में हमारा राज्य एक अक्षम सरकार के नेतृत्व में गहरे संकट की ओर बढ़ रहा है और इसकी भरपाई में दशकों लग सकते हैं।

खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है सरकार : जैकब खालिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 258 सितम्बर । मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने आज स्थानीय एक होटल में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में उपस्थित होकर आगामी 29 सितम्बर से गुजरात में आयोजित होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है।

उल्लेखनीय है कि आगामी 29 सितम्बर से 12 अक्टूबर तक गुजरात में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों में सिक्किम के छह खिलाड़ी एथलेटिक्स, स्टेकबोर्डिंग, बॉक्सिंग एवं वुशु आदि विभागों में शिरकत कर रहे हैं। सिक्किम दल का नेतृत्व सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कुबेर भंडारी और महासचिव जसलाल प्रधान कर रहे हैं।

इस दौरान जैकब खालिंग ने राज्य के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें राज्य के लिए मेडल जीतने हेतु अपनी पूरी ताकत और उत्साह के साथ इनमें हिस्सा लेने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों के प्रोत्साहन हेतु हर संभव कदम उठा रही है। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक खिलाड़ी को नकद प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की।

वहीं सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कुबेर भंडारी ने अपने वक्तव्य में 36वें राष्ट्रीय खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि इसमें देश के 8 केंद्रशासित प्रदेशों समेत कुल 28 राज्य हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर एसओए के लोगो के साथ खिलाड़ियों एवं अधिकारियों की आधिकारिक जर्सी भी लांच की गयी। कार्यक्रम में एसओए के सदस्य, बॉक्सिंग कोच श्रीमती संध्या गुरुंग एवं अन्य कोच भी उपस्थित थे।

भारी बारिश से नुकसान

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 25 सितम्बर । पश्चिम सिक्किम के गेजिंग जिला के योक्सम टाशीडिंग निर्वाचन क्षेत्र के गेरेथांग में अविरल बारिश ने काफी नुकसान पहुंचाया है।

बताया जाता है कि भारी बारिश के कारण आज सुबह गेरेथांग बाजार के निकट स्थित राम जीवन लुइंटेल के घर को नुकसान पहुंचा है।

बारिश के कारण गेरेथांग पुलिस पिकेट पोस्ट और उससे नीचे स्थित बाहुन गांव को भी काफी नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि भारी बारिश के कारण पश्चिम जिला के विभिन्न स्थानों पर फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है।

राज्यपाल ने दी नवरात्रि की शुभकामनाएं

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 258 सितम्बर । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने सिक्किम वासियों को नवरात्रि की बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

यह पर्व हिंदू कैलेंडर के अश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से मनाया जाता है। यह त्योहार देवी दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है और 10वें दिन, यह रावण को मारकर लंका पर भगवान राम की जीत का प्रतीक है।

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की विधिवत पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप की पूजा करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना करने से माता रानी प्रसन्न होकर आशिर्वाद देती है।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक यह पर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का संचार करें।

पाकिम युनाइटेड ने जीती मुख्यमंत्री फुटबॉल प्रतियोगिता

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 258 सितम्बर । जिलास्तरीय ऑल सिक्किम मुख्यमंत्री फुटबॉल प्रतियोगिता का आज सेंट जेवियर्स स्कूल मैदान में समापन हो गया। राज्य के खेल व युवा मामलों के विभाग द्वारा पाकिम जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से गत 29 अगस्त से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में जिले की कुल दस टीमों ने हिस्सा लिया। इन्हें दो ग्रुपों में विभाजित किया गया था।

आज खेले गये प्रतियोगिता के फाइनल मैच में ग्रुप ए विजेता पाकिम युनाइटेड का ग्रुप बी विजेता रेगु स्पोर्टिंग क्लब से मुकाबला हुआ। इसमें पाकिम युनाइटेड ने 4-2 गोलों से रेगु स्पोर्टिंग क्लब को पराजित कर खिताब पर कब्जा कर लिया। फाइनल खेल के बाद पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि सीमा शुल्क अध्यक्ष गांजा भूटिया ने खिलाड़ियों को ट्रॉफियों, मेडलों एवं प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के पीआरओ रत्नमणि प्रधान, सिक्किम फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मेनला एथेन्पा, एसएफए उपाध्यक्ष श्याम प्रधान, महासचिव फूर्बा शेर्पा, जिला खेल व युवा मामलों के उप-निदेशक एनडी भूटिया, सहयाक खेल निदेशक नीम पिंछो भूटिया एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रत्येक क्षेत्र को ध्यान में रखकर विकास कर रही है सकार : मंत्री भीम हांग सुब्बा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 25 सितम्बर । पश्चिम जिला के गेजिंग जिला अन्तर्गत यांगथांग निर्वाचन क्षेत्र के लिंगचोम तिक्जेक ग्राम पंचायत के ग्राम प्रशासन केन्द्र के सम्मेलन कक्षा के स्टेज का उद्घाटन तथा सम्मान कार्यक्रम का आज आयोजन किया गया। इस भवन का उद्घाटन सिक्किम सरकार के जन स्वास्थ्य अभियान्त्रीकी एवं कौशल विकास विभाग के मन्त्री तथा क्षेत्र विधायक भीम हांग सुब्बा ने किया। उनके साथ सिक्किम औद्योगिक विकास बोर्ड के अध्यक्ष जनक गुरुंग, ओएसडी एसपी मांगयुम, खण्ड विकास अधिकारी गेजिंग विजय कुमार सुब्बा जिला योजना अधिकारी गंगाराम शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के पहले चरण में इसी ग्राम प्रशासन केन्द्र के पंचायत अध्यक्ष फुलमान सुब्बा ने इस ग्राम पंचायत की ओर से किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए सर्वप्रथम इस नए ग्राम प्रशासन केन्द्र के स्थानांतरण करने में सफल होने को लेकर पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार भारत सरकार से प्राप्त किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुरस्कार की राशि से भी विकास किए गए हैं।

आज के कार्यक्रम में 1982 से इस ग्राम पंचायत में सेवा देने वाले सभी जीवित पंचायतों को प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में लिंगचोम तिक्जेक ग्राम पंचायत की ओर से मन्त्री तथा क्षेत्र विधायक भीम हांग सुब्बा, अध्यक्ष जनक गुरुंग को भी प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार इस ग्राम पंचायत के तहत आने वाले विद्यालय, गैर सरकारी संस्था, आंगनबाड़ी केन्द्र, आशा, सुपरवाइजर, स्वयंसहायता समूह और समाज में योगदान देने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

इस उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मन्त्री भीम हांग सुब्बा ने सरकार कहा कि सरकार हर एक क्षेत्र को ध्यान में रखकर निरंतर विकास कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ सिक्किम विरोधी अफवाह फैला रहे हैं जिस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। सराकार की ओर से किए जा रहे शानदार विकास के लिए बुद्धिजीवियों को सरकार की सराहना करनी चाहिए।

इस ग्राम प्रशासन केंद्र के निर्माण से यहां एक पूर्वाधार तैयार हुआ है। स्थानीय कई लोगों को नौकरी भी मिली है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमन्त्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा की सरकार राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

मार्च 2024 तक राजस्व ग्राम के हर घर में पीने का साफ पानी उपलब्ध हो : योगी

लखनऊ, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य मार्च 2024 तक प्रत्येक राजस्व गांव के हर घर में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराना है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने रविवार को जल जीवन मिशन के तहत संचालित हर घर नल योजना के कार्यों की समीक्षा की और इसके समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2024 तक हर राजस्व ग्राम के हर घर में पीने का साफ पानी उपलब्ध हो। यह सुनिश्चित हो कि नल से जल का कनेक्शन हर घर के आँगन तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर नल' के संकल्प के साथ अब तक हमने 46 लाख 72 हजार घरों में नल के कनेक्शन लगाये हैं और इसमें तेजी की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक एक करोड़ घरों में पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य लेकर कार्य करें।

प्रवक्ता ने बताया कि आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की योजना से अब तक जो क्षेत्र नहीं जोड़े जा सके हैं, उन्हें जल्द से जल्द जोड़ा जाए। इसके लिए जिलाधिकारी भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं।

असम-अरुणाचल सीमा पर हाइड्रो प्रोजेक्ट के पावरहाउस की सुरक्षा दीवार गिरी, सुबनसिरी नदी का बढ़ा जलस्तर

नॉर्थ लखीमपुर, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर एनएचपीसी की दो हजार मेगावाट की सुबनसिरी पनबिजली परियोजना के बिजली घर की सुरक्षा दीवार गिर गई। यह सुरक्षा दीवार सुबनसिरी नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण गिरी है। अधिकारियों ने जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि घटना शनिवार देर रात की है। सुबनसिरी नदी में उफान होने के कारण यह घटना हुई। कंपनी ने अपने सभी कर्मचारियों को बिजलीघर से बाहर निकाल लिया है। सारी मशीनरी बिजली घर में ही है।

एचएचपीसी के एक अधिकारी के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश की तलहटी में भारी बारिश हुई जिसके कारण सुबनसिरी लोअर हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में पानी की मात्रा बढ़ गई।

नतीजतन, बिजलीघर की सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा गिर गया।

कंपनी के अन्य अधिकारी ने बताया कि बिजलीघर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है और लगभग तैयार है। लेकिन अब इसे नुकसान होने का खतरा है। परियोजना की एक डायवर्जन टनल भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। एनएचपीसी के सलाहकार एएन मोहम्मद के अनुसरा, टनल में भूस्खलन का मुख्य सुबनसिरी परियोजना पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बारिश के कारण डायवर्जन टनल नंबर 2 के ऊपर की खाली जगह भर जा रही है, इसे स्थिर किया जा रहा है। परियोजना क्षेत्र में बीते कुछ दिनों से बारिश के चलते काम बाधित हो रहा है।

एनएचपीसी ने बांध की नींव के निर्माण के लिए नदी को मोड़ने के लिए अस्थायी उपाय के रूप में पांच डायवर्सन टनलों का निर्माण किया था। लेकिन भूस्खल के कारण दो टनलों अवरुद्ध हो गए।

हालांकि मोहम्मद ने कहा कि बांध निर्माण का 88 फीसदी काम पूरा होने वाला है, डायवर्सन टनल की आवश्यकता खत्म हो गई है और एनएचपीसी इस मानसून के बाद सभी टनलों को जोड़ने की योजना बना रही है।

पंडित दीनदयाल की विचारधारा ही विश्व का कल्याण कर सकती है: गडकरी

कानपुर, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एकात्म मानववाद दर्शन के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा को समस्त विश्व के लिये कल्याणकारी बताते हुए कहा है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम इस विचारधारा से ही मानव जाति की ज्वलंत समस्याओं का हल मिल सकता है।

गडकरी ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती और कनकरानी की छठवीं पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब कानपुर में कम्युनिस्ट पार्टी जीतती थी, लेकिन अब वह दौर समाप्त हो गया है। गडकरी ने कहा कि विश्व में इस पर शोध हो रहा कि कौन सी विचारधारा है, जो सभी का कल्याण कर सकती है?

उन्होंने कहा, मेरा स्पष्ट मत है कि पं. दीनदयाल जी की विचारधारा ही सबसे सही है। जो सबके कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। उन्होंने कहा कि देश का किसान अब अन्नदाता नहीं बल्कि ऊर्जादाता बनेगा। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।

गडकरी ने कार्यक्रम के आयोजक, स्थानीय सांसद देवेंद्र सिंह भोले का भी आभार प्रकट करते हुए कहा कि वह जीवन के विकास पथ पर रहते हुए अपने माता पिता की स्मृतियों को संजो कर रखते हैं। उन्होंने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था समाज के पिछड़े शोषित दलित हैं, जिनके पास रोटी कपड़ा और मकान नहीं है, उनको भगवान मान कर सेवा करें व उनको सुविधायें दे। उन्होंने कहा कि वह इसी विचारधारा पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित है। राष्ट्र को सही दिशा में सुशासन की ओर ले जाना ही मोदी सरकार का मिशन है।

नीतीश-लालू ने की सोनिया गांधी से मुलाकात, 2024 के रोडमैप पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने रविवार को यहां कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। लालू-नीतीश की सोनिया से मुलाकात को 2024 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

सोनिया गांधी के 10 जनपथ आवास पर बैठक को विपक्षी दलों के बीच एकता बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दलों के बीच मतभेदों को सुलझाने के प्रयास जारी हैं जिनका पारंपरिक रूप से टकराव रहा है। अगस्त में बिहार में सरकार बनाने के लिए भाजपा से नाता तोड़ने और राजद और कांग्रेस से हाथ मिलाने के बाद से कुमार की सोनिया गांधी से यह पहली मुलाकात है।

इससे पहले, कुमार ने कांग्रेस और वामपंथी दलों सहित सभी विपक्षी दलों को भाजपा से मुकाबला करने के लिए एकजुट करने का आह्वान किया और कहा कि यह विपक्ष का मुख्य मोर्चा'' सुनिश्चित करेगा कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में बुरी तरह हार जाए।

कुमार ने हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की ओर से पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल की जयंती के मौके पर आयोजित एक रैली में कहा कि अगर सभी गैर-भाजपा दल एकजुट हों तो देश को तबाह करने वालों से छुटकारा मिल सकता है।

इनेलो नेता ओम प्रकाश चौटाला, शिरोमणि अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल, जिनका कांग्रेस के साथ टकराव का लंबा इतिहास रहा है, दोनों नेता राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शरद पवार, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सीताराम येचुरी और शिवसेना के अरविंद सावंत जैसे अन्य नेता वरिष्ठ नेताओं के साथ मंच पर थे। बिहार के उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी मंच पर थे, जिसे गैर-भाजपा दलों के बीच एकता की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि कांग्रेस की ओर से कोई भी रैली में शामिल नहीं हुआ।

कैडेट की हत्या के आरोप में 6 आईएएफ अधिकारियों पर केस दर्ज

बेंगलुरु, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। वायुसेना तकनीकी कॉलेज (एएफटीसी) में यहां एक प्रशिक्षु कैडेट की संदिग्ध मौत के बाद भारतीय वायुसेना के छह अधिकारियों पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 27 वर्षीय अंकित कुमार झा के रूप में हुई है, जो जलाहल्ली परिसर में एएफटीसी में डेढ़ साल से प्रशिक्षण ले रहा था। कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के बाद सेवा से छुट्टी मिलने के बाद उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, युवक के परिवार ने दावा किया है कि उनके बेटे की हत्या की गई है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक युवक ने अपने सुसाइड नोट में वायुसेना के छह अधिकारियों के नामों का जिक्र किया है जिनमें एक एयर कमोडोर, एक ग्रुप कैप्टन और दो विंग कमांडर शामिल हैं।

मृतक के भाई अमन ने आरोप लगाया है कि प्रशिक्षण अधिकारी ने उसके भाई की हत्या कर दी और मौत को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की।

गंगाम्ममगुडी पुलिस ने मामला अपने हाथ में ले लिया है और दोनों एंगल से जांच कर रही है।

राजस्थान के विधायक जिसके साथ होंगे वही नेता होगा : खाचरियावास

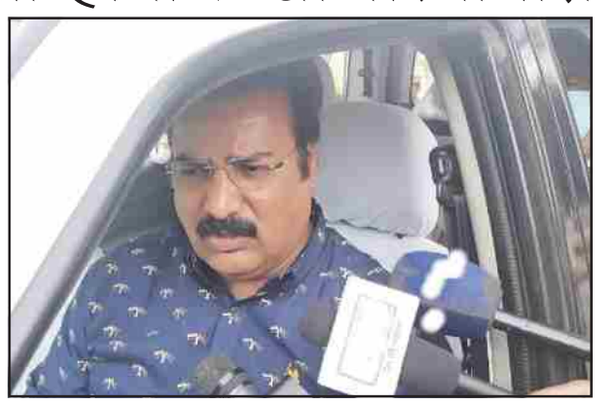

जयपुर, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान में ताजा राजनीतिक घटनाक्रम के बीच खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने रविवार रात कहा कि राज्य के विधायक जिसके साथ होंगे वही प्रदेश का नेता (मुख्यमंत्री) होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य की कांग्रेस सरकार को गिराना चाहती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विधायकों के पार्टी के विधायक दल की बैठक में शामिल न होकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के आवास पहुंचने को आलाकमान के प्रति विद्रोह के रूप में नहीं देखा जाए बल्कि यह हमारे परिवार की बात है।' संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के साथ डॉ. जोशी के घर पहुंचे खाचरियावास ने कहा, (धारीवाल के घर अशोक गहलोत समर्थक) विधायकों ने कहा कि भाजपा का षड्यंत्र कामयाब नहीं होने देंगे। भाजपा के लोग पिछले चार साल से सरकार अस्थिर करने का प्रयास करने में लगे हैं।

भाजपा राजस्थान की सरकार को गिराना चाहती है।'' पार्टी के विधायकों के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर बुलायी गयी विधायक दल की बैठक में न जाकर विधानसभा अध्यक्ष के आवास पहुंचने पर उन्होंने कहा, इसे आलाकमान के प्रति विद्रोह के रूप में नहीं देखा जाए। यह हमारे परिवार की बात है।'' उन्होंने कहा, विधायक (आलाकमान द्वारा) अपनी बात नहीं सुने जाने से नाराज होकर इस्तीफा देने आए हैं। हमारे परिवार के मुखिया (आलाकमान) जब बात सुनेंगे तो नाराजगी दूर हो जाएगी।''

राज्य के अगले मुख्यमंत्री के बारे में खाचरियावास ने कहा, अभी तो गहलोत ही मुख्यमंत्री हैं। लोकतंत्र में चुनाव में फैसला वोट की गिनती से होता है। लोकतंत्र संख्या बल से चलता है। राजस्थान के विधायक जिसके साथ होंगे वही नेता होगा... लगभग सौ से अधिक विधायक एक तरफ हैं। 10-15 विधायक एक तरफ हैं ...तो बात कसिकी सुनी जाएगी?'' गौरतलब है कि राजस्थान में यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब मुख्यमंत्री गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए अगले महीने होने वाले चुनाव में उतरने की घोषणा कर चुके हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि गहलोत के पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद राज्य में मुख्यमंत्री बदला जा सकता है। इसे लेकर रविवार रात को मुख्यमंत्री निवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। बैठक के लिए दिल्ली से आए पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और कुछ विधायक भी मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचे। लेकिन गहलोत समर्थक विधायक संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल के घर इकट्ठा हुए और फिर वहां से एक बस तथा अन्य वाहनों में सवार होकर डॉ. जोशी के घर पहुंचे।

गोवा सीएम ने गैर सरकारी संगठनों, युवा पेशेवरों से प्राथमिक स्कूलों को अपनाने का किया आग्रह

पणजी, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। प्राथमिक स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए समाज से समर्थन मांगते हुए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार की पहल 'विद्यांजलि' के तहत कोई भी इन स्कूलों को गोद ले सकता है और एक अच्छे काम में योगदान दे सकता है।

सावंत ने कहा, 'प्राथमिक स्कूलों को गोद लिया जा सकता है लेकिन हम नियंत्रण अपने पास ही रखेंगे।'

सावंत ने आगे कहा, 'यदि कोई एनजीओ, युवा पेशेवर, सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी, सार्वजनिक निजी क्षेत्र के संस्थान स्कूलों को अपनाना चाहते हैं और बुनियादी ढांचे का विकास करना चाहते हैं और अतिरिक्त प्रशिक्षण देकर उपकरण प्रदान करना चाहते हैं तो वे 'विद्यांजलि' (पोर्टल) प्लेटफॉर्म पर खुद को पंजीकृत कर सकते हैं या शिक्षकों से संपर्क कर सकते हैं।'

सावंत ने कहा, 'केवल इतना ही नहीं, धार्मिक संस्थान और आसपास के बैंक भी सरकारी प्राथमिक स्कूलों को गोद ले सकते हैं और उन्नयन के लिए समर्थन दे सकते हैं। अगर हम अच्छी प्राथमिक शिक्षा देते हैं, तभी भविष्य में इसके अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।'

उन्होंने कहा कि, सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने कहा, '3 से 8 साल की उम्र तक के बच्चों के पहले पांच साल के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए शिक्षकों के साथ-साथ माता-पिता को भी बच्चों की प्रगति की दिशा में काम करना चाहिए।'

सूत्रों ने बताया कि, राज्य भर के प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने करीब 142 शिक्षकों की भर्ती करने का फैसला किया है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा वाटर फिल्टर का निःशुल्क वितरण

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 25 सितम्बर। सरई तहसील अन्तर्गत सुदूर गांवों में स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन द्वारा सार्वजनिक स्थलों की पहचान कर नि:शुल्क वाटर फिल्टर का वितरण किया जा रहा है। आंगनवाड़ी केन्द्र, झलरी खास, शासकीय मध्य विद्यालय, झलरी, आंगनवाड़ी केन्द्र और शासकीय प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय, डोंगरी, आंगनवाड़ी केन्द्र और शासकीय मध्य विद्यालय, मझौली, शासकीय प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय, बजौड़ी, शासकीय मध्य विद्यालय, भलिया टोला, शासकीय प्राथमिक विद्यालय, खनुआ खास और आंगनवाड़ी एवं शासकीय प्राथमिक विद्यालय, खनुआ नवा टोला में सोमवार से शनिवार तक आयोजित कार्यक्रमों में कुल 18 वाटर फिल्टर का वितरण किया गया जबकि इसी वर्ष अप्रैल महीने में नि:शुल्क 27 वाटर फिल्टर वितरित किये गए थे॥ इस मौके पर विभिन्न शासकीय विद्यालयों के शिक्षकों में जगमोहन सिंह, आनंद कली सिंह, राम मिलन प्रजापति और आंगवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ममता वर्मा की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

शुद्ध पानी के इस्तेमाल से हम कई गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। इन गांवों में शुद्ध पेयजल के स्रोत की कमी और प्रदूषित जल से फैलने वाली बीमारियों जैसे, डायरिया, पेचिश, टाइफाइड, हेपेटाइटिस ए की रोकथाम के लिए अदाणी फाउंडेशन की टीम ने ऐसे कई सार्वजनिक स्थलों की पहचान की जहां एक सप्ताह के भीतर नि:शुल्क वाटर फिल्टर का वितरण किया गया। इन सुदूर गावों में स्वच्छ पानी के स्रोत की बेहद कमी है और उपलब्ध पानी में कई प्रकार की अशुद्धियाँ जैसे आर्सेनिक, क्लोरीन और टीडीएस की ज्यादा मात्रा पाई जाती हैं। ऐसे में पानी से हानिकारक पदार्थों को साफ करने के लिए वाटर फिल्टर बेहद आवश्यक है जो छोटे जगहों और गांवों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है जहां बिजली का अभाव रहता है।

आज भी छोटे-छोटे गांवों में पीने से पहले पानी को उबालने का चलन है, लेकिन यह केवल बैक्टीरिया को मार सकता है, खतरनाक रसायनों को समाप्त नहीं कर सकता। कहावत है 'जल ही जीवन है।' अक्सर हमें पानी में पाए जाने वाले खतरनाक पदार्थों और धातुओं के बारे में रिपोर्टें मिलती रहती हैं। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए वाटर फिल्टर के इस्तेमाल को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि अदाणी फाउंडेशन के द्वारा विभिन्न शासकीय विद्यालयों के साथ-साथ आंगनवाड़ी जैसे अन्य सार्वजनिक स्थलों की पहचान कर नि:शुल्क वाटर फिल्टर का वितरण किया गया है ताकि स्कूल के बच्चों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी आसानी से स्वच्छ जल मिल सके और उनमें इसके प्रति जागरूकता फैले। ग्रामीणों ने अदाणी फाउंडेशन के इस पहल का जोरदार स्वागत किया है।

सभी विपक्षी दल भ्रष्ट और वंशवादी : नड्डा

तिरुवनंतपुरम, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस और वाम दल सहित अन्य विपक्षी दलों के एकजुट होने के बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आह्वान के बाद भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने उन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे सभी 'भ्रष्ट' और 'परिवारवादी दल' हैं। यहां भाजपा जिला कार्यालय के उद्घाटन में नड्डा ने कहा कि विपक्षी दल राज्य स्तरीय या क्षेत्रीय दल हैं तथा उनमें से ज्यादातार परिवारवादी दल हैं। उन्होंने कहा, आज हरियाणा में विपक्षी नेताओं की एक रैली में वे सभी देवीलाल की जयंती मनाने के लिए एकत्र हुए। उनके लिए दो चीजें समान हैं। एक तो यह कि वे सभी परिवारवादी दल हैं और दूसरा यह कि वे सभी आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उनमें से कुछ जमानत पर हैं और अन्य नेता मामलों में आरोपी हैं।

नड्डा ने कहा, इसलिए आप देख सकते हैं कि भाजपा किन चुनौतियों का सामना कर रही है। भाजपा विरोधी एक संयुक्त मोर्चा बनाने की दिशा में कुमार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार और अन्य प्रमुख विपक्षी नेताओं ने आज एक नये गठबंधन का आह्वान किया, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस को भी रखा गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि द्वि-ध्रुवीय मुकाबला भाजपा की हार सुनिश्चित करेगा।

इस बीच, आज शाम दिल्ली में कुमार और राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की। नड्डा ने कहा कि देश में भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है। उन्होंने दावा किया, हमारे अलावा कोई राष्ट्रीय पार्टी नहीं है। यहां तक कि कांग्रेस भी अब राष्ट्रीय पार्टी नहीं रह गई है। वह भाई-बहन की पार्टी (राजनीतिक दल) हो गई है।

परिवारवादी या वंशवादी दलों का उदाहरण देते हुए नड्डा ने कहा, जम्मू कश्मीर में पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस है, पंजाब में बादल परिवार का शिरोमणि अकाली दल है, हरियाणा में चौटाला परिवार की पार्टी, उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव एवं अखिलेश यादव के परिवार द्वारा नियंत्रित समाजवादी पार्टी है।'' उन्होंने कहा, ...झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा है, जो एक वंशवादी दल है, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, ओडिशा में पटनायक परिवार का बीजू जनता दल, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव परिवार की पार्टी है● ये सभी परिवार आधारित दल हैं, जहां लोकतंत्र के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। नड्डा ने कहा कि भाजपा इन वंशवादी, अत्यधिक भ्रष्ट दलों से लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ रही है। उन्होंने कहा, चीन की पीपुल्स पार्टी के नौ करोड़ सदस्य हैं, जबकि भाजपा के आज की तारीख में 18 करोड़ सदस्य हैं।

नीतीश बिहार में खो चुके हैं जनाधार : दिनेश शर्मा

एटा, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यूपी से चुनाव लड़ने की खबर पर पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने तंज कसा है। एटा में पूर्व विधायक ममतेश शाक्य के आवास पर निजी कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व डिप्टी सीएम और सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में अपना जनाधार खोज चुके हैं। वह यूपी में विधानसभा तो दूर प्रधानी का चुनाव भी नहीं जीत पाएंगे। अगर वह जनाधार खोजने आ रहे हैं तो वह उनकी कोरी कल्पना साबित होगी।

रविवार को अलीगढ़ जाते समय उन्होंने पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद वह पूर्व विधायक ममतेश शाक्य के घर पर पहुंचे।

यहां पर पत्रकारों से वार्ता में कहा कि विपक्ष बार-बार पराजित और हतोत्साहित होने वालों का समूह है। गठबंधन होता है फिर लठबंधन बनता है। बाद में वह भी बिखर जाता है।

राहुल गांधी कांग्रेस को नहीं जोड़ सकते तो भारत को क्या जोड़ पाएंगे। राहुल गांधी उस बालिका के साथ खड़े होकर फोटो खिचवाते हैं जो पाकिस्तान के पक्ष में नारे लगा रही थी। उसके साथ फोटो खिचा लेने से भारत नहीं जुड़ने वाला है। उत्तर प्रदेश में कुल 16513 मदरसे हैं। सात हजार 442 आधुनिक योजनाकरण के तहत हैं। 558 मदरसे को सरकार अनुदान देती है। आज हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित की पढ़ाई से मदरसे के छात्र अनविज्ञ हैं। अनविज्ञ होने के कारण उनकी डिग्री की वेल्यू नहीं है। मदरसे की डिग्री से पासपोर्ट नहीं बन सकता। बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिले। इसके लिए सरकार ने एनसीआरटी की पुस्तकों को चलाया है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा पीएफआई और आरएसएस की तुलना के बयान पर कहा कि उनका मानसिक संतुलन अव्यवस्थित है, जो ऐसे बयान दे रहे हैं। उनसे सहानुभूति है। उनको राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रद्रोह का अंतर ही नहीं पता है। आरएसएस देश हित में काम करती है। इस मौके पर सांसद राजवीर सिंह राजू, पूर्व विधायक ममतेश शाक्य, जिलाध्यक्ष संदीप जैन, विधायक विपिन वर्मा, दिनेश गुप्ता अलीगंज, मुकुल शाक्य, असीत कुमार मौर्या, उज्जवल शाक्य, वीरेंद्र पाल सिंह, रविन्द्र पाल सिंह, सत्येंद्र शाक्य, सुरेंद्र शाक्य, बृजेश गुप्ता, , मनोज शाक्य , सुमित शाक्य, जितिन शाक्य, नीलेश शाक्य देवेन्द्र भदौरिया जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, गुल्ली चौहान, युवराज सिंह, वरुण देव गुप्ता, अमर सिंह, रिंकू ठाकुर सहित तमाम लोग मौजूद थे।

भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष प्रदीप भामाशाह के घर गए। वहां पर पार्टी के पदाधिकारियों के साथ जानकारी की। निकाय चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। यहीं वह अलीगढ़ के लिए रवाना हो गए। एटा में करीब एक घंटे तक रुके।

पंजाब के राज्यपाल द्वारा विधानसभा सत्र बुलाए जाने के बाद गतिरोध समाप्त

चंडीगढ़, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। पंजाब में आप सरकार और राज्यपाल के बीच विधानसभा सत्र बुलाने को लेकर चल रहा गतिरोध रविवार को समाप्त हो गया। राज्यपाल ने 27 सितंबर को सत्र बुलाने पर सहमति दे दी है।

राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने एक पत्र में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (1) के तहत उन्हें मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए 27 सितंबर को सुबह 11 बजे सत्र बुला रहे हैं। एक दिन पहले, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि, यह निंदनीय है कि राज्यपाल ने प्रस्तावित विधानसभा सत्र के लिए विधायी कार्य का विवरण मांगा।

चीमा, जो पिछली राज्य सरकार में विपक्ष के नेता थे, उन्होंने कहा कि राज्यपाल का कार्यालय पंजाब के काम में लगातार हस्तक्षेप कर रहा है और चुनी हुई आप सरकार को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दे रहा है। मैं राज्यपाल से अपने कार्यालय के रिकॉर्ड की जांच करने और लोगों को यह बताने के लिए कहना चाहता हूं कि कितने राज्यपालों ने सत्तारूढ़ सरकार से विधानसभा सत्र बुलाने के उद्देश्य के बारे में जानकारी ली। आज तक, किसी राज्यपाल ने ऐसा नहीं किया। केवल वह कर रहे हैं इसलिए, क्योंकि वह भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं।

राज्यपाल ने शनिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को एक संदेश में कहा, आज के समाचार पत्रों में आपके बयानों को पढ़ने के बाद, मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि शायद आप मुझसे 'बहुत ज्यादा' नाराज हैं। मुझे लगता है कि आपके कानूनी सलाहकार आपको पर्याप्त जानकारी नहीं दे रहे हैं। शायद मेरे बारे में आपकी राय संविधान के अनुच्छेद 167 और 168 के प्रावधानों को पढ़ने के बाद निश्चित रूप से बदल जाएगी। अनुच्छेद 167 राज्यपाल को सूचना प्रस्तुत करने के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्यों से संबंधित है, 168 राज्यों में विधानमंडलों के संविधान पर है।

अमित शाह ने बिहार के सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ को लेकर निगरानी बरतने को कहा

नई दिल्ली, 25 तिम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को बिहार दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने सीमावर्ती जिले किशनगंज में सुरक्षा बलों के साथ अहम समीक्षा बैठक की।

जानकारी के मुताबिक गृहमंत्री ने बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के कुछ सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन को देखते हुए घुसपैठ, तस्करी और अवैध अप्रवासियों को फर्जी पहचान पत्र बांटने के खिलाफ अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। अमित शाह ने शनिवार को बिहार के किशनगंज में सीमा सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशकों के साथ समीक्षा बैठक की।

इस दौरान बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर के महानिरीक्षक ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर उभरती चुनौतियों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा सहित भारत-बांग्लादेश, भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमाओं पर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर समीक्षा की गई।

सीमा सुरक्षा बल से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री ने सीमा पार अपराधियों और राष्ट्र विरोधी तत्वों की नापाक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चौबीसों घंटे सीमा पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन को देखते हुए घुसपैठ, तस्करी और अवैध अप्रवासियों को फर्जी पहचान पत्र बांटने के खिलाफ अतिरिक्त सतर्कता बरतने के सुरक्षबलों को निर्देश भी दिए गए हैं।

दरअसल बिहार का सीमावर्ती जिला किशनगंज मुस्लिम बहुल इलाका है। वहीं सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों से अवैध अप्रवास के कारण जनसांख्यिकीय परिवर्तन सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

अमित शाह ने किशनगंज में जानकारी दी कि 2014 में केन्द्र में उनकी सरकार बनने के बाद सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्च र को बढ़ाया गया है। 2008 से 2014 के बीच, लगभग 23,700 करोड़ रुपए खर्च किए गए, लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद 23,700 करोड़ रूपए से बढ़ाकर 44,600 करोड रुपए खर्च किए गए हैं।

'शहीद भगत सिंह' के नाम पर जाना जाएगा चंडीगढ़ एयरपोर्ट : पीएम मोदी

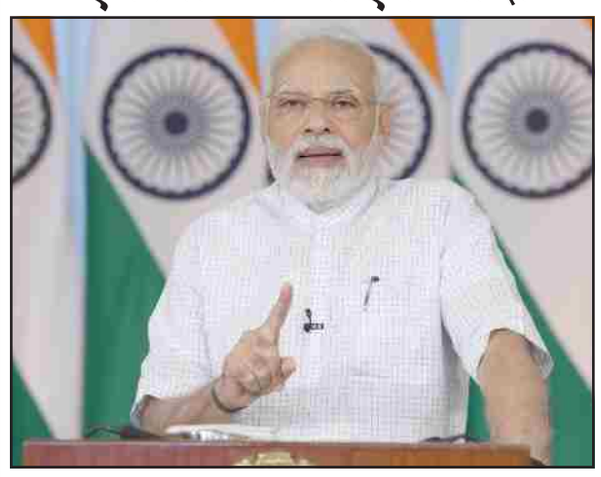

नई दिल्ली, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की। पीएम मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 93वीं कड़ी में में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि पास 28 सितंबर को सेलिब्रेट करने की एक और वजह भी है। उन्होंने कहा जानते हैं क्या है! मैं सिर्फ दो शब्द कहूंगा लेकिन मुझे पता है, आपका जोश चार गुना ज्यादा बढ़ जाएगा। ये दो शब्द हैं- सर्जिकल स्ट्राइक। बढ़ गया ना जोश! हमारे देश में अमृत महोत्सव का जो अभियान चल रहा है उन्हें हम पूरे मनोयोग से सेलिब्रेट करें, अपनी खुशियों को सबके साथ साझा करें।''

पीएम मोदी ने कहा कि आज से तीन दिन बाद 28 सितम्बर को अमृत महोत्सव का एक विशेष दिन आ रहा है। इस दिन भारत मां के वीर सपूत भगत सिंह जी की जयंती है। भगत सिंह जी की जयंती के ठीक पहले उन्हें श्रद्धांजलि स्वरुप एक महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। यह तय किया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह जी के नाम पर रखा जाएगा। इसकी लम्बे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। उन्होंने कहा मैं चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और देश के सभी लोगों को इस निर्णय की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेकर, उनके आदर्शों पर चलते हुए उनके सपनों का भारत बनाना है और यही, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होती है। शहीदों के स्मारक, उनके नाम पर स्थानों और संस्थानों के नाम हमें कर्तव्य के लिए प्रेरणा देते हैं। अभी कुछ दिन पहले ही देश ने कर्तव्यपथ पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति की स्थापना के ज़रिये भी ऐसा ही एक प्रयास किया है और अब शहीद भगत सिंह के नाम से चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम इस दिशा में एक और कदम है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं चाहूंगा, अमृत महोत्सव में हम जिस तरह स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े विशेष अवसरों पर सेलिब्रेट कर रहे हैं उसी तरह 28 सितम्बर को भी हर युवा कुछ नया प्रयास अवश्य करें।

पीएफआई बैन की तैयारी में गृह मंत्रालय! कहां आ रहीं हैं रूकावटें?

नई दिल्ली, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। 22 सितम्बर को एनआईए और ईडी ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के देश भर में मौजूद ठिकानों पर छापेमारी की थी। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसियों द्वारा जो सबूत इकट्ठा किए गए हैं, उनके आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय पीएफआई पर बैन लगाने की तैयारी कर रहा है।

हालांकि बैन लगाने के पहले गृह मंत्रालय के अधिकारी पूरी तैयारी कर लेना चाहते हैं, ताकि अगर बैन को चुनौती दी जाए, तो उनका पक्ष कमजोर ना पड़े।

गुरुवार को देश के 15 राज्यों में हुई छापेमारी में जांच एजेंसियों को पीएफआई के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। इसी को आधार बनाकर जल्द ही इसे बैन के दायरे में लाया जा सकता है।

इसी को लेकर छापेमारी के तुरंत बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और एनआईए चीफ से मीटिंग भी की थी। इसमें पीएफआई के खिलाफ जुटाए गए तथ्यों की समीक्षा और आगे की कार्यवाही के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक पीएफआई को बैन करने से पहले गृह मंत्रालय कानूनी सलाह भी ले रहा है, ताकि जब इस मामले में संबंधित पक्ष अदालत में जाए तो सरकार की तैयारी पूरी हो। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है, क्योंकि साल 2008 में सिमी पर लगे प्रतिबंध को केंद्र सरकार को हटाना पड़ा था। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट के जरिए उसे फिर से प्रतिबंधित कर दिया गया।

दरअसल जब भी पीएफआई का नाम किसी मामले में आता है, तो इस बात पर चर्चा जरूरी होती है कि अगर इस पर कई आरोप हैं, तो फिर इस संगठन पर बैन लगाने में इतना वक्त क्यों लग रहा है? आखिर वो कौन सी रुकावटें हैं, जो अभी तक केंद्र सरकार को बैन की कार्यवाही करने से रोक रही है।

जानकारी के मुताबिक अलग अलग एजेंसियां कई सालों से पीएफआई के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाने में लगी थी। गृह मंत्रालय की तरफ से निर्देश दिए गए थे, कि पीएफआई संगठन की कोई भी कड़ी को ना छोड़ा जाए। एनआईए की जांच आपराधिक संगठन की गैरकानूनी गतिविधियों पर केंद्रित थी, तो वहीं ईडी उनके वित्त के स्रोत का पता लगाने में अब पूरी तरह सफल रहा है।

ईडी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि जांच में पीएफआई के बैंक खातों में करीब 60 करोड़ के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है।

यह जानकारी भी मिली है कि पीएफआई को हवाला के जरिए भी रकम पहुंचाई जा रही थी। इसके लिए भारत में पैसे भेजने के लिए खाड़ी देशों में काम करने वाले मजदूरों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता था।

वहीं एनआईए ने पीएफआई सदस्यों द्वारा चलाये जा रहे आतंकी शिविर के अलावा 5 अलग अलग दर्ज मामलों में विस्फोटक बनाने से लेकर युवाओं को बरगलाकर आईएसआईएस जैसे संगठन में भेजने तक के पुख्ता सबूत इकट्ठा कर लिए हैं।

गौरतलब है कि 2017 में एनआईए ने गृह मंत्रालय को सौंपी अपनी विस्तृत रिपोर्ट में पीएफआई के आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते बैन लगाने की मांग की थी। कई और राज्य समय समय पर बैन लगाने की मांग कर चुके हैं। ऐसे में अब तक देरी क्यों हो रही है, इस बारे में आईएएनएस से बात करते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कई बातें विस्तार से बताई।

पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कहा कि पीएफआई को 5 साल पहले ही बैन हो जाना चाहिए था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होना, विस्फोटक तैयार करना, निर्वाचित प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचना और करोड़ों की मनी लॉन्ड्रिंग कर देशविरोधी गतिविधियों में पैसा लगाना ● ये वो आधार हैं, जिसके हिसाब से पीएफआई पर अब बैन लगाया जा सकता है। इन सब मामलों में पुख्ता सबूत जुटाने में लंबा वक्त लगता है।

विक्रम सिंह ने बताया कि पीएफआई पर अब तक बैन ना लगने के पीछे की एक वजह इन्हें मिलने वाला राजनीतिक सपोर्ट भी है। कुछ पार्टियों के नेता यहां तक कि सांसद भी पीएफआई को समाजसेवा करने वाला संगठन बता चुके हैं। इसके समर्थक कई राज्यों में मौजूद हैं। यही नहीं पीएफआई की सहयोगी एसडीपीआई कई राज्यों में चुनाव भी लड़ चुकी है। यही वजह है कि पीएफआई के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए इतनी तैयारी करनी पड़ रही है।

विक्रम सिंह ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार पीएफआई का टर्की की एजेंसी और पाकिस्तान की आईएसआई से फंडिंग का भी लिंक मिला है। लड़कों को बरगलाकर आईएसआईएस में भी भेजा गया। इन्ही लिंक की कड़ियां जोड़ने के लिए ईडी और एनआईए ने पूरी तैयारी की, ताकि कड़ी कार्यवाही की जा सके।

फिलहाल पीएफआई पर झारखंड सरकार ने प्रतिबंध लगाया हुआ है। वहीं गृह मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, अनलॉफुल एक्टिविटीज (प्रीवेंशन) एक्ट 1967 के सेक्शन 35 के तहत करीब 39 संगठनों पर सरकार ने बैन लगाया हुआ है।

इनमें बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तान कमांड फोर्स, खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स, इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन, लश्कर-ए-तैयबा/पासबन-ए-अहले हदीस, जैश-ए-मोहम्मद / तहरीक-ए-फुरकान, हरकत-उल-मुजाहिदीन/ हरकत-उल-अंसार, हिज्ब-उल-मुजाहिदीन, अल-उमर अल-मुजाहिदीन, जम्मू एंड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा), नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए), यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ), पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कंगलीपाक, कंगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), कंगलेई याओल कानबा लुप, मणिपुर पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट (एमपीएलएफ), ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा, लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम, स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया, दीनदर अंजुमन,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनिस्ट) पीपुल्स वॉर, माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी), अल बद्र, जमीयत-उल-मुजाहिदीन, अल-कायदा, दुख्तारन-ए-मिल्लत (डीईएम), तमिलनाडु लिबरेशन आर्मी, तमिल नेशनल रिटीवल ट्रूप्स, अखिल भारत नेपाली एकता समाज, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया(माओइस्ट), इंडियन मुजाहिदीन,गारो नेशनल लिबरेशन आर्मी, कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन, इस्लामिक स्टेट/ आईएसआईएस, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (के), इसके अलावा यूएन में लिस्टेड आतंकी संगठन भी शामिल हैं।

आतंकवाद का राजनीतिकरण करने वालो को जयशंकर ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद के लिए 'जीरो टॉलरेंस' का आह्वान किया और चेतावनी दी कि जो लोग आतंकवादियों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को रोकते हैं, वे अपने जोखिम पर ऐसा करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने शनिवार को कहा, दशकों से सीमा पार आतंकवाद का खामियाजा भुगतने के बाद, भारत 'शून्य सहिष्णुता' के दृष्टिकोण की दृढ़ता से वकालत करता है। उन्होंने सीधे तौर पर पाकिस्तान या उसके रक्षक चीन का नाम लिए बिना कहा, जो लोग यूएनएससी 1267 प्रतिबंध व्यवस्था का राजनीतिकरण करते हैं, कभी-कभी घोषित आतंकवादियों का बचाव करने की हद तक, अपने जोखिम पर ऐसा करते हैं।

जयशंकर ने चीन का नाम लिए बिना कहा कि जो लोग कभी-कभी घोषित आतंकवादियों का बचाव करने की हद तक यूएनएससी 1267 रिजॉल्यूशन व्यवस्था का जो राजनीतिकरण करते हैं, वे अपने जोखिम पर ऐसा कर रहे हैं। चीन, पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के नेता साजिद मीर (2008 के मुंबई हमलों में शामिल), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के नेता अब्दुल रऊफ अजहर और जमात-उद-दावा (जेयूडी) के नेता अब्दुल रहमान मक्की के खिलाफ प्रतिबंधों को रोक रहा है।

अंतरराष्ट्रीय दबाव से पहले, चीन ने लश्कर के नेता हाफिज मुहम्मद सईद के खिलाफ प्रतिबंधों को रोक दिया, जो 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड है जिसमें लगभग 175 लोग मारे गए थे। जयशंकर ने कहा, आतंकवाद के किसी भी कृत्य का कोई औचित्य नहीं है, प्रेरणा की परवाह किए बिना। और कोई भी बयानबाजी कभी भी खून के धब्बे को ढक नहीं सकती है। उन्होंने कहा, मेरा विश्वास करो, वे न तो अपने हितों को आगे बढ़ाते हैं और न ही वास्तव में अपनी प्रतिष्ठा।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:25/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 46G 75579
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 75579 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02741 22746 34447 51051 53091 65659 67616 76161 76785 79444
3rd Prize ₹450/-
1029 2499 3140 3274 3301 4371 5489 6047 7965 8641
4th Prize ₹250/-
1218 2635 4887 5445 7104 7373 7890 9052 9475 9809
5th Prize ₹120/-
0055 0209 0685 0718 0726 0921 0931 1031 1126 1238
1276 1281 1331 1490 1530 1764 1993 2094 2279 2537
2867 3008 3221 3509 3527 3584 3629 3858 3886 4165
4240 4242 4301 4302 4491 4580 4733 4750 4752 4843
4976 4987 4999 5238 5323 5449 5516 5641 5863 5876
5909 5910 5912 6103 6140 6249 6254 6483 6509 6517
6603 6609 6709 6729 6774 6793 6883 6950 7239 7303
7312 7375 7461 7463 7719 7789 7840 7868 7925 7953
7988 8002 8096 8161 8170 8187 8214 8481 8548 8600
8777 8953 9045 9177 9345 9357 9457 9638 9732 9912
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:25/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 96D 05642
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 05642 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08762 24422 28176 41040 44407 50095 56379 65145 91976 93680
3rd Prize ₹450/-
0863 1339 1569 2100 3579 3930 5916 7132 7497 8633
4th Prize ₹250/-
1034 4799 5230 5462 7962 8463 8664 8673 8967 9464
5th Prize ₹120/-
0276 0526 0610 0675 0737 0830 0956 0967 1009 1038
1191 1253 1258 1415 1601 1693 1843 1900 2269 2637
2837 3005 3046 3053 3199 3215 3229 3371 3440 3676
3696 3789 3849 4159 4169 4355 4359 4365 4389 4402
4650 4703 4873 4902 5129 5446 5518 5524 5564 5670
5923 6051 6089 6203 6233 6397 6467 6520 6598 6780
7058 7069 7084 7215 7406 7465 7910 7978 8096 8119
8167 8275 8278 8360 8363 8384 8415 8483 8520 8651
8863 9024 9183 9185 9186 9190 9194 9202 9211 9249
9270 9300 9317 9611 9619 9735 9753 9782 9834 9991
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:195 DrawDate on:25/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 43L 27549
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 27549 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02103 07118 42005 51543 53094 59376 62326 75689 78708 97354
3rd Prize ₹450/-
0180 1271 1440 2829 3370 3505 6011 7260 8794 9522
4th Prize ₹250/-
0664 2182 4343 4414 5623 6908 7220 7450 8094 9471
5th Prize ₹120/-
0099 0321 0410 0509 0521 0652 0862 0915 1128 1241
1311 1328 1427 1495 1534 1771 1856 1864 1884 1913
1935 1941 1947 1978 2265 2282 2307 2320 2716 2738
2824 3032 3033 3279 3427 3512 3613 3822 3870 3953
4028 4029 4132 4134 4259 4320 4373 4557 4659 5044
5338 5559 5566 5575 5584 5605 5658 5687 5948 5974
6179 6280 6292 6486 6668 6724 6728 6797 7186 7235
7237 7468 7546 7600 7606 7636 7878 7899 7910 8017
8225 8233 8299 8418 8445 8502 8723 8830 9081 9097
9098 9180 9350 9392 9509 9681 9688 9704 9802 9949
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR LAXMI SUCCESS SUNDAY
Draw No:16 DrawDate on:25/09/22
1st Prize ₹10,000/- 0319 6124
2nd Prize ₹5,000/- 7255 8255
3rd Prize ₹2,000/- 3598 7380
4th Prize ₹1,000/- 2009 5322
5th Prize ₹500/-
1248 2339 5168 8276 9200 9664
6th Prize ₹200/-
0003 0058 0064 0147 0218 0225 0229 0242 0253 0314
0326 0369 0428 0452 0500 0532 0542 0562 0598 0615
0662 0683 0731 0766 0774 0811 0834 0852 0861 0884
0887 0934 0943 0970 0982 1026 1048 1066 1093 1134
1142 1154 1186 1197 1221 1237 1267 1269 1272 1339
1348 1356 1411 1483 1497 1522 1556 1566 1596 1610
1646 1649 1703 1760 1788 1789 1823 1843 1853 1881
1923 1994 2039 2096 2107 2144 2151 2237 2250 2288
2332 2464 2537 2559 2562 2582 2591 2661 2696 2774
2791 2845 2850 2885 2898 2927 2974 3042 3047 3058
3184 3212 3237 3279 3282 3322 3426 3449 3482 3508
3536 3569 3588 3597 3647 3765 3827 3875 3907 3918
3940 3945 3962 3969 3973 4046 4054 4127 4153 4155
4162 4226 4262 4269 4275 4276 4287 4390 4408 4483
4563 4579 4612 4641 4657 4662 4729 4741 4744 4815
4845 4854 4861 4887 4968 4996 5007 5040 5042 5060
5111 5112 5159 5167 5170 5191 5229 5254 5264 5269
5271 5293 5330 5352 5367 5415 5633 5634 5641 5726
5740 5763 5766 5816 5823 5826 5907 5925 5969 5976
5979 5992 6011 6078 6089 6098 6142 6248 6321 6366
6429 6450 6470 6477 6482 6488 6538 6539 6608 6609
6652 6688 6769 6791 6806 6810 6812 6901 7013 7053
7068 7104 7109 7129 7133 7134 7139 7230 7267 7292
7301 7424 7452 7466 7472 7479 7621 7679 7708 7727
7729 7817 7873 7880 8063 8090 8145 8178 8329 8331
8361 8382 8388 8397 8405 8427 8437 8464 8470 8492
8564 8595 8600 8657 8707 8803 8931 8969 8984 9028
9037 9074 9099 9120 9157 9179 9181 9213 9249 9267
9308 9312 9357 9412 9423 9459 9475 9487 9501 9508
9558 9579 9600 9693 9742 9835 9920 9939 9948 9994
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

लौटता मानसून

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र इस मौसम में पहली बार लगातार बारिश का गवाह बना है। इससे एक ओर जहां खुशी है, वहीं जलभराव से जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश कम या ज्यादा लगातार हो रही है और आने वाले दो दिनों तक इसी सिलसिले का अनुमान है। सड़क से लेकर हवाई यातायात तक असर पड़ा है, कुछ सरकारी कार्यालयों में भी जलभराव से समस्या हो गई है। आठवीं तक के बच्चों के लिए स्कूलों को बंद कर दिया गया है। जिन रास्तों पर जलभराव है, उनको छोड़कर अन्य रास्तों पर लोगों को चलने के लिए निर्देशित किया जा रहा है। ध्यान रहे, ज्यादा बारिश की वजह से विगत दस दिन के अंदर ही उत्तर प्रदेश में दो बेहद दुखद दुर्घटनाएं हुई हैं। लखनऊ में दीवार गिरी थी, जिसमें नौ लोगों की मौत हुई, तो नोएडा में दीवार गिरने से चार की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में ही बारिश बीस से ज्यादा लोगों को काल के गाल में ले गई है।

जाते मानसून के समय की यह बारिश तनाव दे रही है, तो इसके लिए पश्चिमी विक्षोभ को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। आमतौर पर मानसून 25 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी से विदा हो जाता है, लेकिन इस बार कुछ देरी से जाएगा। मौसम विभाग ने सावधानी बरतते हुए येलो एलर्ट जारी कर रखा है। दिल्ली के अलावा गुरुग्राम और नोएडा जैसे कमाऊ क्षेत्रों में जलभराव की शिकायत गंभीर है। अफसोस की बात है, हम बारिश को चंद दिनों की समस्या मानकर स्थायी समाधान से बच रहे हैं। शहरों को बारिश जनित समस्याओं से बचाने के लिए जितने प्रयास होने चाहिए, नहीं हो पा रहे हैं। बेशक, हमारे बड़े शहर अपनी क्षमता से कई गुना ज्यादा दबाव झेल रहे हैं, लेकिन लोगों को उनकी समस्याओं के साथ अपने हाल पर नहीं छोड़ना चाहिए। ध्यान रहे, मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। भारी बारिश के बीच आने वाले हफ्तों में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी की आशंका है। लोगों को आसपास जलभराव न होने देने और शरीर ढकने वाले वस्त्र पहनने की सलाह दी गई है। ध्यान रहे, अकेले राष्ट्रीय राजधानी में इस साल अब तक डेंगू के 396 मामले सामने आए हैं। 17 सितंबर तक इस महीने में ही डेंगू के कुल 152 मामले दर्ज किए गए हैं। मतलब सावधानी समय की मांग है। बारिश के कारण तात्कालिक चिंता बढ़ी है, लेकिन वास्तव में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड जैसे राज्य कुल मिलाकर बारिश की कमी का सामना कर रहे हैं। दिल्ली में भले ही पिछले सप्ताह सामान्य से 192 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है, लेकिन पूरे मौसम में दिल्ली में 28 प्रतिशत कम बारिश हुई है। उत्तर प्रदेश और बिहार में तो सामान्य से 31 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि झारखंड में 20 प्रतिशत कम। अब हो रही बारिश सांत्वना या राहत की तरह है, लेकिन पूरे मौसम में जो कमी रह गई है, उसे शायद दूर नहीं किया जा सकता। इस साल मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और दक्षिण के राज्य बहुत खुशनसीब रहे हैं, जहां जरूरत से ज्यादा बारिश हुई है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में भी ठीकठाक बारिश हो चुकी है। ज्यादा चिंता पंजाब को लेकर है, हालांकि, उसे नहरों के जरिये कृषि के लिए पर्याप्त पानी मिल जाएगा। वैसे इस साल देश में धान उत्पादन में चार प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया गया है। बहरहाल, ज्यादा चिंता बेतरतीब बसते बड़े शहरों की है, जो चंद दिन बारिश से परेशान रहेंगे और आठ महीने जलाभाव का तनाव भी झेलेंगे।

स्वच्छता अभियान से तिरंगा तक मन की बात

♦अशोक त्रिपाठी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रत्येक महीने के अंतिम सप्ताह में देशवासियों से मन की बात करते हैं। स्वच्छता अभियान से तिरंगा अभियान तक मोदी ने अपने को जन-जन से जोड़ा। अमृत महोत्सव में घर-घर तिरंगा को लेकर प्रधानमंत्री ने इन्दौर में मानव तिरंगा बनाने का उल्लेख किया तो कर्नाटक के कोलार में 630 फिट लम्बा और 205 फिट चौड़ा तिरंगा के रिकार्ड का भी जिक्र किया। आकाश और समुद्र में तिरंगा फहराना तो हिमांचल प्रदेश के गंगटोक पंचायत के तिरंगा अभियान के साथ बोत्सवाना, नाइजीरिया जैसे राष्ट्रों में भी आजादी की 75वीं वर्ष गांठ का उल्लेख कर मोादी ने हर घर तिरंगा अभियान को देश की एकता, आजादी के महानायकों के प्रति जागरूकता और राष्ट्र भक्ति का प्रतीक बताया। मन की बात का प्रथम प्रसारण 3 अक्टूबर 2014 को हुआ था। इसमें कोई एक निर्धारित विषय नहीं था। मोदी ने एक नये भारत का निर्माण करने में देशवासियों का सहयोग मांगा था। अगले महीने 2 नवम्बर को प्रधानमंत्री ने काला धन और स्वच्छता अभियान को मुख्य रूप से उठाया था। इसके बाद महीने के अंतिम सप्ताह में यह कार्यक्रम होने लगा। प्रधानमंत्री ने 27 जनवरी 2015 को अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ जनता के पत्रों का जवाब दिया था। अगले महीने 22 फरवरी को देश के छात्रों को परीक्षाओं के समय सामान्य रहने की सलाह दी थी। आमतौर पर परीक्षाएं निकट आने पर छात्र-छात्राएं घबरा जाते हैं, उनमें एक तरह का डर पैदा हो जाता है। इस तरह से अपनी क्षमता के अनुरूप प्रश्नों के जवाब नहीं दे पाते हैं। मोदी ने मन की बात में छात्र-छात्राओं का परीक्षाओं को लेकर उत्साह बढ़ाया। मार्च, 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के साथ मन की बात की थी और यह सिलसिला 8 वर्षों से लगातार चल रहा है। प्रमुख मुद्दों को मन की बात में श्री मोदी जनता के सामने साफगोई से उठाते रहे है जैसे 27 नवम्बर 2016 को नोटबंदी पर मन की बात की थी तो 26 फरवरी 2017 को दूसरों की सफलता पर बधाई देते हुए भीम ऐप की चर्चा की। उन्होंने 28 मई 2017 को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस और स्वच्छ भारत अभियान को मन की बात का मुख्य विषय बनाया था। इस साल अगस्त महीने में घर-घर तिरंगा का जिक्र किया था। उन्होंने महत्वपूर्ण मुददो को कई बार दोहराया भी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम 89वां एपिसोड में समाज से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। उन्होंने देश में तेजी से विकसित हो रही स्टार्टअप इंडस्ट्री, चारधाम यात्रा के दौरान गंदगी और योग दिवस पर मन की बात की और प्रधानमंत्री ने कहा, देश में स्टार्टअप की संख्या लगातार बढ़ रही है। खास बात यह है कि वैश्विक महामारी के समय में भी देश में स्टार्टअप की संख्या बढ़ी है। मुझे इस बात का गर्व है कि भारत में बहुत से ऐसे मेंटर्स हैं, जिन्होंने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा, स्टार्ट अप की दुनिया नए भारत की ताकत को दिखा रही है। आज भारत का स्टार्टअप सिर्फ बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। छोटे-छोटे शहरों और कस्बों से भी लोग सामने आ रहे हैं। इससे पता चलता है कि भारत में जिनके पास इनोवेटिव आइडिया है, वे वेल्थ बना सकते हैं।

मन की बात कार्यक्रम में ही पीएम ने कहा, हमारे देश में कई सारी भाषाओं, लिपियों और बोलियों का समृद्ध खजाना है। अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग पहनावा, खानपान और संस्कृति, यही हमारी पहचान है। ये विविधता एक राष्ट्र के रूप में हमें अधिक सशक्त करती है और एकजुट रखती है। प्रधानमंत्री ने कहा हमें तीर्थ स्थलों की गरिमा बनाए रखने की जरूरत है। मोदी ने कहा मैंने देखा है कि श्रद्धालु केदारनाथ में कुछ यात्रियों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी की वजह से दुखी हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अपनी बात रखी है। हम पवित्र यात्रा में जाएं और वहां गंदगी का ढेर हो, यह ठीक नहीं। सुचिता, साफ-सफाई, एक पवित्र वातावरण को हमें कभी भूलना नहीं चाहिए। उसे जरूर बनाए रखें।

पीएम नरेंद्र मोदी अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 91वें एपिसोड में खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया था। पीएम मोदी ने 10वीं और 12वीं के सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी। बाद में खेल पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि चेन्नई में 44वें चेस ओलम्पियाड की मेजबानी करना भी भारत के लिए बड़े ही सम्मान की बात है। 28 जुलाई को ही इस टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ है और मुझे इसकी ओपनिंग सेरेमनी में शामिल होने का सौभाग्य मिला। पीएम मोदी ने कहा कि खेलकूद की बात करें तो जुलाई का महीना एक्शन से भरपूर रहा है। भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। आज हमारे युवा, हर क्षेत्र में देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। इसी महीने, पीवी सिंधू ने सिंगापुर ओपेन का अपना पहला खिताब जीता है। नीरज चोपड़ा ने भी अपने बेहतरीन प्रदर्शन को जारी रखते हुए वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देश के लिए सिल्वर मेडल जीता है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यंगस्टर्स स्टार्टअप्स और इण्टरप्रेन्योर्स के बूते हमारी टवॉय इण्डस्ट्री ने जो कर दिखाया है, जो सफलताएं हासिल की हैं, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज, जब भारतीय खिलौनों की बात होती है, तो हर तरफ, वोकल फार लोकल की ही गूंज सुनाई दे रही है। पीएम मोदी ने कहा कि आपको यह भी जानकर अच्छा लगेगा कि अब भारत में विदेशों से आने वाले खिलौनों की संख्या लगातार घटती जा रही है। पहले जहां 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के खिलौने बाहर से आते थे, अब उनका आयात 70 प्रतिशत कम हो गया है। यह खुशी की बात है कि इस अवधि में भारत ने दो हजार छह सौ करोड़ रुपये से अधिक के खिलौनों का विदेशों को निर्यात किया है। जबकि पहले केवल 300-400 करोड़ रुपये के खिलौने ही भारत से बाहर जाते थे।

कृषि के साथ ग्रामीण उद्योगों की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि शहद की मिठास हमारे किसानों का जीवन भी बदल रही है, उनकी आय भी बढ़ा रही है। शहद, न केवल हमें स्वाद देता है, बल्कि आरोग्य भी देता है। शहद उत्पादन में आज इतनी अधिक संभावनाएं हैं कि प्रोफेशनल पढ़ाई करने वाले युवा भी, इसे अपना स्वरोजगार बना रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ आयुष ने वैश्विक स्तर पर अहम भूमिका निभाई है। दुनिया में आयुर्वेद और भारतीय औषधियों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। हाल ही में एक ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट और इनोवेशन समिट हुई थी। इसमें करीब 10 हजार करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट प्रपोजल मिले हैं। जुलाई महीने में इंडियन वर्जुअल हारबेरियन को लांच किया गया। यह इस बात का भी उदाहरण है, कि कैसे हम डिजिटल वर्ल्ड का इस्तेमाल अपनी जड़ों से जुड़ने में कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने मन की बात में कहा था 2 अगस्त से 15 अगस्त तक, हम सभी, अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पिक्चर्स में तिरंगा लगा सकते हैं। 2 अगस्त को पिंगली वेंकैया जी की जन्म-जयंती है जिन्होंने हमारे राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन किया था। मैं उन्हें, आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत, 13 से 15 अगस्त तक, एक स्पेशल मूवमेंट एण्ड 'हर घर तिरंगा' का आयोजन किया गया था।

गरीबों की भूख का समाधान बनी पीएमजीकेएवाई

♦मनोज कुमार अग्रवाल

♦कोविड प्रभावितों के लिए शुरू की गयी थी यह योजना
♦जनता की मांग पर योजना को कई बार बढ़ाया गया
♦देश के 80 करोड़ लोगों को मिल रहा है इसका लाभ

ऐसे कठिन व कठोर परीक्षा के समय में जब कोविड 19 के कारण फैली असमंजस और अनिश्चितता के दौर में तमाम कलकारखाने, बाजार, व्यवसाय, परिवहन तमाम गतिविधियां ठहर गई थीं, देश में एक बड़ा वर्ग ऐसा था जिसके पास बंदी के दौर में अधिक दिनों तक पेट भरने के लिए राशन नहीं था। तब एक विशाल देश के दूरदर्शी प्रधानमंत्री ने आनन फानन में जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के जरिए करोड़ों लोगों को अन्न सुरक्षा देकर भूखे मरने से बचाने का काम किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को मोदी सरकार ने मार्च 2020 में शुरू किया था। कोविड 19 महामारी के चलते लॉकडाउन के दौरान इस स्कीम को शुरू करके 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया गया था। सरकार इस योजना को कई बार बढ़ा चुकी है।इससे पहले ये योजना 31 मार्च 2022 तक थी, फिर इसे 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया था। अब एक बार फिर से इस योजना को आगे बढ़ाने की उम्मीद बनी है। यदि यह फैसला हो जाता है, तो 80 करोड़ लोगों के लिए बहुत बड़ी राहत की बात होगी। हालांकि इस योजना के इतर भी सरकार अंत्योदय व बीपीएल परिवारों को नाम मात्र के दर पर अन्न मुहैया करा रही है।

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 5 किलो मुफ्त चावल या गेंहू, 1 किलो चना 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को दिया जाता है। ये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत सब्सिडी पर मिलने वाले राशन के अतिरिक्त है। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की वार्षिक आम बैठक के मौके पर पीएमजीकेएवाई योजना को आगे बढ़ाने के बारे में खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय के हवाले से बताया गया है कि ये फैसला सरकार को करना है। ये बड़े सरकारी फैसले हैं, सरकार ही इस पर कोई निर्णय करेगी। सरकार ने इस योजना पर मार्च तक लगभग 2. 60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं और सितंबर, 2022 तक 80,000 करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे। इससे पीएमजीकेएवाई के तहत कुल खर्च लगभग 3.40 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा।

गौरतलब है कि सबसे पहले प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना 2016 प्रधानमंत्री द्वारा कराधान कानून (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के साथ शुरू की गई थी। इस के अंतर्गत अघोषित तौर पर इकट्ठा किए गए धन को बैंक में गरीब कल्याण के लिए जमा करने की छूट दी थी।तब यह योजना वित्त मंत्रालय के द्वारा करवंचको के धन को जन कल्याण के लिए लायी गई थी और इस के तहत कर अपवंचन कर कमाया गया धन, गरीब कल्याण हेतु जमा करने अपील की गई थी। हालांकि उस समय यह योजना अधिक सफल नहीं हुई। लेकिन 2020 में कोविड महामारी के बाद इसी नाम से योजना का विस्तार किया गया और यह योजना प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के नाम से लागू की गई।

बाद में नए उद्देश्य व परिस्थितियों के बीच पीएम गरीब कल्याण योजना को कोविड महामारी के कारण 2020 में पुन गरीबों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से नए रूप में चालू किया गया। इस योजना को लॉकडाउन से राहत प्रदान करने के लिए बढ़ाया गया था। गरीबों की मूल भूत भोजन आदि आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपये का राहत पैकेज प्रदान किया गया। ऐसी विकट समस्या के समय जब करोड़ों लोगों को कोविड महामारी के कारण घरों में कैद रहना पडा तमाम व्यवसायिक गतिविधियों के बंद होने के कारण लोगों को भोजन की तंगी होने लगी। तब इस योजना के जरिए जरूरत मंद लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया गया। यह योजना 80 करोड़ से अधिक लोगों को प्रति माह 5 किलो मुफ्त गेहूं/चावल और 1 किलो मुफ्त साबुत चना प्रदान करती है। यह बीपीएल परिवारों को फ्रंटलाइन वर्कर्स को तीन महीने के लिए 50 लाख रुपये के बीमा कवर के अलावा गरीबों के लिए मुफ्त सिलेंडर भी प्रदान करता है।

पीएम गरीब कल्याण योजना के लिए पात्र हैं-विधवा, अंतिम रूप से बीमार व्यक्ति, विकलांग व्यक्तियों 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति, ऐसे व्यक्ति जिन्हें परिवार या समाज से कोई समर्थन नहीं है, वे पीएम गरीब कल्याण योजना के लिए पात्र हैं। एकल महिला या एकल पुरुष सभी आदिम आदिवासी परिवार पात्र हैं।

अन्य व्यक्ति जो पीएमजीकेवाई के लिए पात्र हैं- भूमिहीन खेतिहर मजदूर सीमांत किसान ग्रामीण कारीगर/ शिल्पकार अनौपचारिक क्षेत्र के व्यक्तिसभी एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति जो गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों से संबंधित हैं।

इस योजना में किसानों के लिए भी राहत जोड़ी गई। किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए एक राहत पैकेज द्वारा 8.7 करोड़ किसानों को कवर प्रदान किया । पीएम किसान योजना के तहत किसानों को 2020-21 में देय 2,000 रुपये की पहली किस्त अप्रैल 2020 में प्राप्त हुई।

केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि सितंबर तक बढ़ा दी थी। यह योजना 31 मार्च, 2022 को समाप्त होनी थी, जिसे सरकार ने और 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। अब इस योजना के लाभार्थियों को यह सुविधा 30 सितंबर 2022 तक मिलेगी हालांकि उम्मीद की जा रही है कि सरकार इस योजना को तीन माह के लिए और बढ़ाने के लिए विचार कर रही है।

माओवादियों का सिकुड़ता दायरा

अजय साहनी

हाल ही में सीआरपीएफ ने दावा किया है कि सुरक्षा बलों ने झारखंड के बूढ़ा पहाड़ और बिहार के चक्रबंधा और भीमबांध जैसे अति हिंसाग्रस्त इलाके को पूरी तरह से नक्सल मुक्त कराकर वहां पर अपना कब्जा जमा लिया है। ये इलाके नक्सलियों का गढ़ माने जाते थे, क्योंकि भौगोलिक स्थिति के कारण वहां सुरक्षा बल पहुंच नहीं पाते थे। आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से यह सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता है।

गौरतलब है कि वर्ष 2008-09 में देश के बीस राज्यों में 223 जिले माओवादी गतिविधियों से प्रभावित थे, जिनमें बिहार और झारखंड के काफी इलाके शामिल थे। लेकिन आज बिहार, झारखंड में ज्यादातर वसूली से संबंधित घटनाएं होती हैं। माओवादी आज वहां बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए वे इक्का-दुक्का घटनाओं को अंजाम देते हैं। जो माओवाद कभी आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था, वह आज सामान्य कानून-व्यवस्था का मामला बनकर रह गया है।

माओवाद का संकुचन सिर्फ बिहार और झारखंड में नहीं हुआ है, बल्कि पूरे देश में हुआ है। एक समय जहां बीस राज्यों के 223 जिले माओवाद प्रभावित थे, वे आज घटकर मात्र 55 जिलों में सिमट कर रह गए हैं। वर्ष 2008 में देश के 65 जिले माओवाद से अत्यधिक प्रभावित थे। हमारे डाटाबेस (साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल) के अनुसार, छत्तीसगढ़ के सिर्फ दो जिले बीजापुर और दंतेवाड़ा माओवाद से बहुत ज्यादा प्रभावित हैं।

बाकी जो माओवाद प्रभावित जिले हैं, उनमें कुछ में इक्का-दुक्का हिंसा की घटनाएं होती हैं और कुछ में मात्र राजनीतिक गतिविधियां होती हैं, जैसे- कहीं माओवादी पोस्टर लगा देते हैं, या गांवों में जाकर अपनी जन अदालत लगा लेते हैं या प्रोपगैंडा फैलाते हैं। पहले जो माओवादियों के कई गुट आपस में संपर्क कर सकते थे, दूसरे इलाके में हिंसक वारदातों को अंजाम दे सकते थे, इन सब पर अंकुश लगाया गया। माओवाद पर कैसे काबू पाया गया, इसे समझने के लिए हमें पीछे की तरफ लौटना पड़ेगा।

वर्ष 2009-10 में माओवादी हिंसा चरम पर थी। 2009 में माओवादी हिंसा में देश भर में कुल 1,128 मौतें हुई थीं और 2010 में यह संख्या बढ़कर 1,180 हो गई। इनमें माओवादी, आम नागरिक और सुरक्षा बलों-सभी की मौत के आंकड़े शामिल हैं। हमारे डाटाबेस के मुताबिक, इस साल अभी तक सिर्फ 94 लोग मारे गए हैं। 2005 से 2010 के बीच माओवादी हिंसा में मौत की संख्या धीरे-धीरे बढ़ती चली गई।

तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने नक्सलियों के खिलाफ ऑल इंडिया मैसिव ऐंड कोऑर्डिनेटिव ऑपरेशन चलाया था, लेकिन वह न मैसिव (व्यापक) था और न ही कोऑर्टिनेटिव (सामंजस्यपूर्ण) था। यह एक गलत नीति थी, जिसके कारण माओवादियों को अपना विस्तार करने का मौका मिला। उसी समय सलवा जुडुम शुरू हुआ था। जब एमसीसी और पीडब्ल्यूजी का विलय हुआ और सीपीआई माओवादी पार्टी बनी, तो नक्सल आंदोलन का काफी विस्तार हुआ और इससे काफी लोग जुड़े और उनकी आपस की लड़ाइयां खत्म हो गईं।

इस तरह एक तरफ माओवादियों की एकजुटता थी, तो दूसरी तरफ केंद्र की गलत नीतियां। उससे काफी नुकसान हुआ और आम नागरिकों व सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या में मौतें हुईं। फिर धीरे-धीरे केंद्र सरकार को समझ आने लगा कि इस तरह से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। पूरे माओवाद प्रभावित इलाकों में एक साथ ऑपरेशन चलाने के लिए न तो उतने सुरक्षा बल थे और न ही पर्याप्त संसाधन। तब आंध्र प्रदेश का मॉडल अपनाया गया, जो खुफिया जानकारियों पर आधारित लक्ष्य केंद्रित ऑपरेशन था।

इसलिए लक्ष्य केंद्रित ऑपरेशन शुरू किए गए। जैसे-जैसे ये ऑपरेशन बढ़ते गए, नए इलाकों में माओवाद के विस्तार पर अंकुश लगा, नई भर्तियां कम हुईं और नक्सली नेतृत्व को काफी नुकसान पहुंचा। कई माओवादी नेता मारे गए और कई गिरफ्तार किए गए। जो मारे नहीं गए, उनके ऊपर बहुत ज्यादा दबाव आ गया। वे कोई गतिविधियां नहीं कर पा रहे थे, विभिन्न गुटों के बीच तालमेल और सहयोग नहीं हो पा रहा था। सरकार की सुरक्षा नीति में भी बदलाव होने लगा।

इसलिए 2011 के बाद थोड़े उतार-चढ़ाव के बावजूद माओवादी गतिविधियों में लगातार कमी आती गई। सुरक्षा बलों का वर्चस्व बढ़ने से माओवादी गतिविधियों में तो कमी आई ही, स्थानीय लोग भी सुरक्षा बलों के साथ आते गए। पहले के आंकड़े देखें, तो ज्यादातर आम नागरिक और सुरक्षा बल मारे जाते थे, लेकिन अब ज्यादातर माओवादी या कुछेक नागरिक मारे जाते हैं। इस साल जो 94 लोग मारे गए हैं, उनमें 12 सुरक्षा बलों के जवान मारे गए हैं और 40 माओवादी मारे गए हैं।

माओवाद पर अंकुश लगाने में सरकारी कार्यक्रमों की भी बड़ी भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ में दो रुपये चावल देने का कार्यक्रम ऐसा था कि उसे माओवादी भी बाधित नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि उन्हें पता था कि अगर लोगों को चावल लेने से रोका गया, तो वे हमारे खिलाफ खड़े हो जाएंगे। कई बार वे अपने वर्चस्व वाले इलाकों में सरकारी योजनाओं को ठीक से लागू करवाने में मदद करते थे। सड़क निर्माण से भी सुरक्षा बलों को अपनी गतिविधियां बढ़ाने में मदद मिली।

सड़क निर्माण से स्थानीय लोगों को बाजार, अस्पताल, रोजगार आदि से जुड़ने का मौका मिला। ओडिशा के मलकानगिरि इलाके में बालीमेला जलाशय के आगे 150 से अधिक गांव राज्य के बाकी इलाकों से कटे हुए थे। उस पर पुल बनाने से वह इलाका शेष राज्य से पूरी तरह जुड़ गया। घर बनाने और स्कूल बनाने की योजना से भी स्थानीय आदिवासियों का रुख सुरक्षा बलों की तरफ हुआ। इस तरह के प्रशासनिक एवं सुरक्षा तालमेल का भी बहुत बड़ा असर पड़ा।

पहले माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के आदिवासी माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच पिस रहे थे। लेकिन इन कल्याणकारी कार्यक्रमों और सुरक्षा बलों का वर्चस्व बढ़ने से आदिवासियों की वफादारी सुरक्षा बलों की तरफ बढ़ गई। इससे कहीं कम, कहीं ज्यादा स्थानीय लोगों को फायदा पहुंचा है और जहां अब तक फायदा नहीं पहुंचा है, उन्हें भरोसा है कि हमारे इलाके का भी विकास होगा। आज आम लोग सुरक्षा बलों से ज्यादा जुड़ रहे हैं। आज जो माओवाद एक छोटे से इलाके में सिमट गया है, वह पिछले कई वर्षों की रणनीतियों और विकास कार्यों का नतीजा है। आदिवासी लोगों का माओवाद से तेजी से मोहभंग हो रहा है।

निशाने पर कट्टरता

मजहबी कट्टरता और आतंकवाद पर प्रहार का सिलसिला जारी रहना ही चाहिए। इस लिहाज से नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बड़ी कार्रवाई की सराहना के वाजिब कारण हैं। ज्यादातर मामलों में ऐसा हमने देखा है कि घटना या हमला होने के बाद जांच एजेंसियां सक्रिय होती हैं, लेकिन वास्तव में किसी भी आशंका से पहले ही जांच एजेंसियों को अपनी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। कोई हमला होना भी जांच एजेंसियों की विफलता ही है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पहले भी अपने विचारों की वजह से शक के दायरे में रहा है। जांच एजेंसियों ने करीब 11 राज्यों में उसके 106 ठिकानों पर छापेमारी की है और 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों की नजर पीएफआई को मिल रहे धन, नेटवर्क और प्रशिक्षण पर है। इस संगठन के कार्यकर्ताओं के कार्यालयों और आवासों पर भी छापेमारी की गई है और जांच-पड़ताल तेज हुई है।

सबकी निगाह जांच एजेंसियों की ओर है, ताकि पीएफआई की गतिविधियों के बारे में खुलासा हो सके। एनआईए को पूरी मुस्तैदी से किसी भी खतरे को टालने की कोशिश करनी चाहिए। दक्षिण भारत में पीएफआई की गतिविधियों को ज्यादा संदिग्ध माना जा रहा है, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु से सर्वाधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। संगठन से जुड़े बडे. नेताओं को गिरफ्तार करके जांच हो रही है। बीते दिनों भी एनआईए ने आंध्र प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की थी। आरोप यह है कि सिमी पर प्रतिबंध के बाद अस्तित्व में आया यह संगठन हिंसा भड़काने की साजिश करता है और गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त रहता है। नुपूर शर्मा का प्रकरण हो या हिजाब का मामला, इस संगठन का रुख बहुसंख्यक वर्ग और सरकार के लिए आक्रामक ही लगता है। कर्नाटक की सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में बताया है कि इस संगठन की भूमिका हिजाब मामले में भड़काऊ रही है। इससे भी एनआईए को छापेमारी की कार्रवाई को बल मिला है। यह संगठन दावा करता है कि वह समाज के वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए काम करता है, लेकिन उसके कार्यकर्ताओं पर पिछले लगभग डेढ़ दशक से सवाल उठते रहे हैं। केरल, कर्नाटक में तो विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पीएफआई के कार्यकर्ता सीधे मुकाबले में रहे हैं। संघ के कार्यकर्ताओं पर हिंसक हमले से भी इस संगठन के तार जुड़े बताए जाते हैं।

अब मामला एनआईए के पाले में है, उसे सावधानी और संवेदना से आगे की कार्रवाई को अंजाम देना चाहिए। यदि पीएफआई के तार वाकई आतंकवाद से जुड़े हैं, तो उसे काटने में ही सबकी भलाई है, लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि किसी निर्दोष को सलाखों को पीछे न रहना पड़े। किसी भी संगठन में सभी लोग एक जैसे नहीं होते हैं। पहले भी कुछ ऐसे लोगों के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई की थी, जो बाद में निर्दोष पाए गए। आतंकवाद गंभीरतम अपराध है, अत: इससे जुड़े किसी भी मामले में किसी निर्दोष को एक दिन भी हिरासत में न रहना पड़े, इससे सुरक्षा एजेंसियों की शक्ति में ही इजाफा होगा। समूह में कार्रवाई करने से बेहतर है कि पहले ही जांच से अपराध तय करने के बाद कार्रवाई की जाए और अदालत में हर मामले को साक्ष्य से सिद्ध किया जाए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण है सुरक्षा एजेंसियों के प्रति विश्वास और सम्मान।

क्या है नवदुर्गा के नौ रूपों का रहस्य?

चैत्र और शारदीय नवरात्रि में माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा होती है। इन नौ दिनों में शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा होती है। आओ जानते हैं माता के 9 रूपों का क्या है रहस्य।

1. शैलपुत्री- शैलपुत्री का अर्थ पर्वत राज हिमालय की पुत्री। यह माता का प्रथम अवतार था जो सती के रूप में हुआ था।
2. ब्रह्मचारिणी- ब्रह्मचारिणी अर्थात् जब उन्होंने तपश्चर्या द्वारा शिव को पाया था।
3. चंद्रघंटा- चंद्रघंटा अर्थात् जिनके मस्तक पर चंद्र के आकार का तिलक है।
4. कूष्मांडा- ब्रह्मांड को उत्पन्न करने की शक्ति प्राप्त करने के बाद उन्हें कूष्मांड कहा जाने लगा। उदर से अंड तक वह अपने भीतर ब्रह्मांड को समेटे हुए है, इसीलिए कूष?मांडा कहलाती है।
5. स्कंदमाता- उनके पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वह स्कंद की माता कहलाती है।
6. कात्यायनी- महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्होंने उनके यहां पुत्री रूप में जन्म लिया था, इसीलिए वे कात्यायनी कहलाती है।
7. कालरात्रि- मां पार्वती काल अर्थात् हर तरह के संकट का नाश करने वाली है इसीलिए कालरात्रि कहलाती है।
8. महागौरी- माता का रंग पूर्णत- गौर अर्थात् गौरा है इसीलिए वे महागौरी कहलाती है।
9. सिद्धिदात्री- जो भक्त पूर्णत- उन्हीं के प्रति समर्पित रहता है, उसे वह हर प्रकार की सिद्धि दे देती है। इसीलिए उन्हें सिद्धिदात्री कहा जाता है।

नवरात्रि में जौ बोने का क्या है सही कारण, क्या मिलते हैं संकेत?

हिंदू धर्म में नवरात्रि का बहुत बड़ा महत्व माना जाता है। इस दौरान माता के भक्त मां को प्रसन्न करने के लिए पूरे नौ दिन तक उपवास रखकर उनकी पूजा करते हैं। नवरात्रि के व्रत में जौ बीजने की परंपरा बताई जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं आखिर नवरात्रि में व्रत रखने वाला व्यक्ति जौ क्यों बीजता है। हो सकता है इसका जवाब अधिकतर लोग न जानते हो। अगर आप भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल हैं तो आपको बताते हैं आखिर नवरात्रि के दौरान क्यों बोई जाती है जौ और क्या है इसका धार्मिक महत्व।

नवरात्रि व्रत करने वाले लोग अपने घर में मिट्टी के एक बर्तन में जौ बोते हैं। मिट्टी के बर्तन में बोए जाने वाले जौ व्यक्ति को उसेक भविष्य से जुड़े कई अहम संकेत देते हैं। धर्मग्रन्थों के अनुसार सृष्टि की शुरूआत के बाद सबसे पहली फसल जौ ही हुई थी। यही वजह है कि जब कभी देवी-देवताओं की पूजा की जाती है तो हवन में जौ ही चढ़ाई जाती है।

नवरात्रि के दौरान मिट्टी में बोया गया जौ दो तीन दिन में ही अंकुरित हो जाता है, लेकिन अगर यह न उगे तो व्यक्ति को भविष्य से जुड़े अच्छे संकेत नहीं मिलते हैं। इसका मतलब व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद ही कोई चीज हासिल होगी। लेकिन अगर जौ का रंग नीचे से आधा पीला और ऊपर से आधा हरा हो जाए तो इसका मतलब आने वाला साल व्यक्ति के लिए आधा अच्छा रहेगा।

जौ का रंग नीचे से आधा हरा है और ऊपर से आधा पीला होने पर इसका मतलब होता है कि साल का शुरूआती समय अच्छे से बीतेगा, लेकिन बाद में व्यक्ति को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अगर व्यक्ति का बोया हुआ जौ सफेद या हरे रंग में उग रहा है तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा होने पर माना जाता है कि माता रानी ने आपकी पूजा स्वीकार कर ली है और आने वाला पूरा साल आपके लिए खुशियों से भरा होगा।

शादीय नवरात्रि

इस बार हाथी पर सवार हो कर आ रही हैं मां दुर्गा

बन रहे हैं बहुत ही शुभ संयोग और दुर्लभ योग

हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रतिवर्ष शादीय नवरात्रि आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी कि 26 सितंबर 2022 सोमवार से प्रारंभ हो रही है, जो 5 अक्टूबर 2022 तक रहेगी। इस बार माताराानी हाथी पर सवार होकर आ रही है और बन रहे हैं बहुत ही शुभ संयोग और दुर्लभ योग। आओ जानते हैं शुभ मुहूर्त।

तिथि: आश्विन नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर 2022 सोमवार को सुबह 03 बजकर 23 मिनट से शुरू हो जाएगी जो 27 सितंबर 2022 को सुबह 03 बजकर 08 मिनट पर खत्म होगी।

देवी भागवत पुराण अनुसार इस श्लोक से जानें कि माता कि सवारी कैसे डिसाइड होती है-

शशि सूर्य गजरुढा शनिभौमै तुरंगमे।
गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौकाप्रकीर्तिता॥

अर्थात : यदि नवरात्रि सोमवार या रविवार से प्रारंभ हो तो माता हाथी पर सवार होकर आती हैं। यदि वह दिन शनिवार या मंगलवार हो तो माता की सवारी घोड़ा होता है और शुक्रवार या गुरुवार को नवरात्रि शुरु होती है तो माताराानी डोली में विराजमान होकर आती हैं। यदि बुधवार दिन हो तो माता का आगमन नौका में होता है।

हाथी की सवारी का फल : कहते हैं कि जब माता हाथी पर सवार होकर आती है तो वर्षा अधिक होने का संकेत है। जिससे चारों ओर हरियाली छा जाएगी। फसलें भी अच्छी होंगी। देश में अन्न के भंडार भरेंगे, संपन्नता, धन और धान्य में वृद्धि होगी। माता का आगमन हाथी और नौका पर होता तो वह साधक के लिए कल्याणकारी होता है।

नवरात्रि पर कलश स्थापना और पूजा के शुभ मुहूर्त

- सुबह 6 बजकर 11 मिनट से लेकर 7 बजकर 51 मिनट तक रहेगा।
- अभिजित मुहूर्त: दोपहर 12:06 से 12:54 तक रहेगा।
- विजय मुहूर्त : दोपहर : 02:30 से 03:18 तक।
- गोधूलि मुहूर्त: शाम 06:19 से 06:43 तक।
- सायाह्न सन्ध्या : शाम 06:31 से 07:43 तक।

नवरात्रि के शुभ योग

- शुक्ल योग सुबह 08:05 तक, उसके बाद ब्रह्म योग।
- हस्त नक्षत्र : 26 सितंबर प्रात: 05:55 से प्रारंभ होकर दूसरे दिन प्रात: 06:16 बजे तक। उसके बाद चित्र।

शारदीय नवरात्रि में कैसे करें कलश और घट स्थापना?

क्या है घट स्थापना की विधि? 26 सितंबर 2022 सोमवार से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। माता दुर्गा के साथ ही घट स्थापना और कलश स्थापना की जाती है। शुभ मुहूर्त में घट स्थापना करने का महत्व है। आओ जानते हैं कि किस तरह करते हैं कलश और घटस्थापना।

घट स्थापना कैसे की जाती है

- घट अर्थात मिट्टी का घड़ा। इसे नवरात्रि के प्रथम दिन शुभ मुहूर्त में ईशान कोण में स्थापित किया जाता है।
- घट में पहले थोड़ी सी मिट्टी डालें और फिर जौ डालें। फिर एक परत मिट्टी की बिछा दें। एक बार फिर जौ डालें। फिर से मिट्टी की परत बिछाएं। अब इस पर जल का छिड़काव करें। इस तरह उपर तक पात्र को मिट्टी से भर दें। अब इस पात्र को स्थापित करके पूजन करें।
- जहां घट स्थापित करना है वहां एक पाट रखें और उस पर साफ लाल कपड़ा बिछाकर फिर उस पर घट स्थापित करें। घट पर रोली या चंदन से स्वास्तिक बनाएं। घट के गले में मौली बांधे।

कलश स्थापना विधि

- एक तांबे के कलश में जल भरें और उसके ऊपरी भाग पर नाड़ा बांधकर उसे उस मिट्टी के पात्र अर्थात घट के उपर रखें। अब कलश के ऊपर पत्ते रखें, पत्तों के बीच में नाड़ा बंधा हुआ नारियल लाल कपड़े में लपेटकर रखें।
- अब घट और कलश की पूजा करें। फल, मिठाई, प्रसाद आदि घट के आसपास रखें। इसके बाद गणेश वंदना करें और फिर देवी का आह्वान करें।
- अब देवी- देवताओं का आह्वान करते हुए प्रार्थना करें कि 'हे समस्त देवी-देवता, आप सभी 9 दिन के लिए कृपया कलश में विराजमान हों।'
- आह्वान करने के बाद ये मानते हुए कि सभी देवतागण कलश में विराजमान हैं, कलश की पूजा करें। कलश को टीका करें, अक्षत चढ़ाएं, फूलमाला अर्पित करें, इत्र अर्पित करें, नैवेद्य यानी फल-मिठाई आदि अर्पित करें।

नवरात्रों में कौन से रंग का कपड़ा पहनकर पायें माँ दुर्गा की विशेष कृपा

अज से नवरात्र आरंभ हो जाएंगे। इन 9 दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की विशेष तरह से पूजा-अर्चना की जाती है। यदि आप प्रत्येक दिन अलग-अलग रंग के कपड़े पहनकर मां दुर्गा की उपासना करते हैं तो ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से मां भगवती बेहद प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों की सारी इच्छाएं पूरी करती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि नवरात्र के अलग-अलग दिन कौन-सा कपड़ा पहन कर माँ भगवती की कृपा पायी जा सकती है।

नवरात्रि के पहले दिन पहने पीले रंग के कपड़े

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है और माना जाता है कि माता शैलपुत्री को पीला रंग बहुत ही पसंद है, इसलिए इस दिन पीले रंग के वस्त्र धारण करके मां की पूजा करने से मां शैलपुत्री प्रसन्न होती हैं।

दूसरे दिन पहने हरे रंग के वस्त्र

नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की उपासना की जाती है। मान्यता है कि माता ब्रह्मचारिणी को हरा रंग बेहद ही प्रिय है, इसलिए उनकी चुनरी और श्रृंगार भी हरे रंग से ही किया जाता है। मां की पूजा हरे रंग के कपड़े पहनकर ही करनी चाहिए।

मां चंद्रघंटा को प्रिय है भूरा रंग

तीसरे दिन मां दुर्गा के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा की जाती है उन्हें भूरा रंग बहुत प्रिय है इसलिए उनका श्रृंगार भी भूरे रंग के वस्त्रों से ही किया जाता है। भूरे रंग के कपड़े पहनकर ही मां की पूजा करनी चाहिए।

चौथे दिन धारण करें नारंगी रंग के कपड़े

चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि उन्हें नारंगी रंग बहुत पसंद है। मां की पूजा के दौरान सारा श्रृंगार भी नारंगी रंग के कपड़ों से ही किया जाता है इसलिए उनकी पूजा नारंगी रंग के कपड़े पहनकर करनी चाहिए। इससे माता खुश होती हैं।

मां स्कंदमाता को प्रिय है सफ़ेद रंग

पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा-

उपासना की जाती है। मान्यता है कि मां स्कंदमाता को सफेद रंग से बेहद पसंद है, इसलिए उनकी पूजा करते हुए सफेद रंग के कपड़े जरूर पहनने चाहिए।

छठे दिन पहनें लाल रंग के कपड़े

छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि मां कात्यायनी को लाल रंग बेहद पसंद है, इसीलिए उनका श्रृंगार भी लाल रंग के कपडों से किया जाता है और भक्तों को भी मां की कृपा पाने के लिए लाल रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

मां कालरात्रि को प्रिय है नीला रंग

सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है उन्हें नीला रंग बहुत भाता है। उनकी मूर्ति के वस्त्रों और पूजा के दूसरे सामानों का रंग भी नीला ही रखा जाता है।

गुलाबी रंग के वस्त्र पहनें आठवें दिन

आठवें दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है उन्हें गुलाबी रंग से बेहद प्रिय है, इसलिए उन्हें प्रसन्न करने के लिए नवरात्र के आठवें दिन गुलाबी रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

नौवें दिन पहनें जामुनी रंग के कपड़े

नौवें और आखिरी दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा-उपासना की जाती है। मान्यता है कि जामुनी रंग मां सिद्धिदात्री को बहुत प्रिय है, इसलिए उनकी पूजा करते समय जामुनी रंग के कपड़े पहनने चाहिए ताकि माँ भगवती की कृपा आप पर बनी रहे।

कैसे मनाएं नन्ही कन्याओं के पूजन का उत्सव

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर होते हैं कन्या पूजन के लिए.आइए जानें 9 दिन कैसे करें कन्या पूजन...

सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएं। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी है। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।

* प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
* दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
* तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
* चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
* पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत- कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
* छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
* सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत- इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
* आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
* नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि देवी जब अपने लोक जाती है तो उसे घर की कन्या की तरह ही बिदा किया जाना चाहिए। अगर सामर्थ्य हो तो नौवें दिन लाल चुनर कन्याओं को भेंट में दें। उन्हें दुर्गा चालीसा की छोटी पुस्तकें भेंट करें। गरबा के डांडिए और चणिया-चोली दिए जा सकते हैं।

तूफान टायफून तलस का जापान में कहर, 2 की मौत, एक लाख घरों की बिजली गुल

टोक्यो । जापान इन दिनों तूफान टायफून तलस के कहर से जूझ रहा है। शनिवार को उस समय दो लोगों की मौत हो गई जब यहां पर तूफान तलस ने दस?तक दी। इस तूफान की वजह से दो लोगों की मौत हो गई है। साथ ही हजारों घरों की बिजली भी गुल हो गई है। तूफान ने शनिवार रात जापान के शिजुकोवा प्रीफेक्चर में भारी बारिश के साथ दस्तक दी। पिछले ही हफ्ते यहां पर तूफान ननमाडोल आया था जिसने कई क्षेत्रों में जमकर तबाही मचाई थी। काकेग्वा में तूफान की वजह से हुए भूस्खलन में 40 साल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। जबकि कार के डूबने से 29 साल के एक युवक की मौत हो गई थी। शिजुका में एक और भूस्खलन में तीन लोग जिसमें एक नौ साल का बच्चा भी शामिल है, वो घायल हो गए हैं। तूफान के बाद कई घरों की बिजली भी चली गई है। जापान के शुबू इलेक्ट्रिक पावर ग्रिड का कहना है कि 120,000 घरों की बिजली काटनी पड़ी है। भूस्खलन की वजह से दो खंबे दब गए जिनकी वजह से बिजली सप्लाई रोकनी पड़ी। यह जापान में इस सीजन का 15वां तूफान है। जापान के मौसम विभाग की तरफ से बताया गया है कि तूफान की वजह से देश में 90 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं चल रही हैं। शिजुका शहर में इसकी वजह से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। यहां पर 417 मिलीमीटर तक बारिश हुई है। गुरुवार से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने ऊंची समुद्री लाहरों, भूस्खलन और बाढ़ की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी, मध्य और उत्तरी जापान जिसमें टोक्यो भी शामिल है, वहां हालात बेकाबू हो सकते हैं। तूफान ननमाडोल की वजह से देश में चार लोगों की मौत हुई थी और 151 घायल हो गए थे। जापान में इस समय तूफान का मौसम चल रहा है। हर साल देश में करीब 20 तूफान आते हैं। इनकी वजह से भारी बारिश की वजह से भूस्खलन और बाढ़ एक आम बात हो गई है। साल 2019 में टायफून हगीबिस ने जापान में दस्तक दी थी। उस साल जापाल रग्बी वर्ल्ड कप का आयोजन कर रहा था। उस तूफान ने 100 लोगों की जान ले ली थी। इसके अलावा 2018 में बाढ़ और भूस्खलन में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। तूफान नानमाडोल के आने से पहले ही कई फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से चक्रवातों का खतरा बढ़ गया है। इसकी वजह से मौसम की अत्यधिक मुश्किल स्थितियां पैदा हो रही हैं जैसे कि हीटवेव्स, सूखा और बाढ़, बार-बार लोगों को इन परिस्थितियों से दो-चार होना पड़ रहा है।

ईरान में महिलाओं ने सुप्रीम लीडर खामनेई के पोस्टर पर पोती कालिख, हिजाब को आग में झोंका, बाल कटाए

तेहरान। ईरान में हिजाब कानून को लेकर प्रदर्शनों की आग 80 से अधिक शहरों में फैल चुकी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में अब तक 36 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ईरान की महिलाएं सड़कों पर उतर चुकी हैं और सख्त धार्मिक बंदिशों का विरोध कर रही हैं। हिजाब के खिलाफ ईरान में छिड़ी मुहिम ने अब हिंसक रूप ले लिया है। एक मुस्लिम मुल्क में एक कट्टरपंथी कानून के खिलाफ विरोध की मशाल जल रही है। ईरान सरकार की इस तानाशाही के खिलाफ ईरान में बड़ी संख्या में महिलाएं बिना हिजाब सड़कों पर प्रदर्शन कर रही हैं। तेहरान में महिलाओं के हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हिजाब को जला दिया और सिर के बाल काट डाले।

सोशल मीडिया पर ईरान में प्रदर्शन कर रही महिलाओं के कुछ वीडियो सामने आए हैं। जिसमें सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामनेई के पोस्टर फाड़े जा रहे हैं और कहीं पर उनमें आग लगाई जा रही है। कोई पोस्टरों पर पत्थर मार रहा है तो कहीं कालिख पोती जा रही है। 22 साल की महसा अमिनी की मौत से ये महिलाएं गुस्से में हैं। महसा पश्चिमी ईरान में साकेज की रहने वाली थीं। वह परिवार से मिलने 13 सितंबर को तेहरान आई थीं। वह हिजाव के खिलाफ थी, इसलिए उन्होंने हिजाब नहीं पहना था। हिजाब नहीं पहनने की वजह से पुलिस ने महसा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 3 दिन वाद 16 सितंबर को उनकी मौत हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि गिरफ्तारी के वक्त महसा पूरी तरह ठीक थी। उन्हें पुलिस की गाड़ी में बेरहमी से पीटा गया, यह घटना सामने आने के बाद ईरान में महिलाओं ने हिजाब के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है।

अमेरिका में एक आयोग ने सेना की सभी शाखाओं के लिये मानकीकृत वर्दी नीति की सिफारिश की

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा गठित एक आयोग ने सिफारिश की है कि अमेरिकी सेना की सभी शाखाओं को एक मानकीकृत वर्दी नीति अपनानी चाहिए, जो सैनिकों को पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने, हिजाब और टोपी पहनने जैसे अपने धार्मिक नियमों का पालन करने की अनुमति देती है। एशियाई अमेरिकी, हवाई के मूल निवासी और प्रशांत द्वीप समूह में रहने वाले विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोगों पर राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें 12 मई को स्वीकृत सिफारिशों का विवरण दिया गया है। दरअसल, अमेरिकी सेना की 1981 में जारी वर्दी संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत सैनिकों के पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने, हिजाब और यहूदी पुरुषों द्वारा पहनी जाने वाली विशेष टोपी के पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अमेरिकी थल सेना और वायु सेना ने क्रमश- 2017 और 2020 में अपनी वर्दी नीतियों में बदलाव करते हुए सैनिकों को अपनी-अपनी धार्मिक आस्था की चीजें पहनने की अनुमति प्रदान कर दी थी। राष्ट्रपति द्वारा गठित आयोग ने कहा, ''अब, सैकड़ों सैनिक मौजूदा समय में अमेरिकी थल सेना और वायु सेना में अपनी धार्मिक आस्थाओं का पालन करते हुए नौकरी कर सकते हैं।'' आयोग ने कहा, ''लेकिन, अमेरिकी नौसेना ने सैनिकों को सीमित दायरे के तहत ही अपनी धार्मिक आस्था का पालन करने की अनुमति प्रदान की है। नतीजतन, उन्हें अपने देश की सेवा करने के लिए अपनी धार्मिक मान्यताओं का उल्लंघन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।'' आयोग ने कहा कि सेना की विभिन्न शाखाओं में धार्मिक समायोजन केलिये प्रक्रिया और नीति में भिन्नता है।

कोरोना से जंग में जान की बाजी लगाने वालों को दिया गया पुरस्कार

जोहान्सबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के लेनेसिया स्थित धार्मिक संगठन शिव गण सभा द्वारा प्रसिद्ध तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी सी सुब्रमण्यम भारती के नाम पर दिया जाने वाला पुरस्कार इस साल उन संगठनों और लोगों को प्रदान किया गया, जिन्होंने कोरोना संकट के दौर में अपने प्राणों की परवाह नहीं करते हुए लोगों की सेवा की है। यह पुरस्कार कोरोना संकट की वजह से बीच के दो सालों तक स्थगित रहा। संगठन वर्ष 2007 से ही यह पुरस्कार दे रहा है। यह पुरस्कार सितंबर माह में प्रदान किया जाता है, जब दक्षिण अफ्रीका विरासत महीना मनाता है। इस पुरस्कार की शुरुआत संगठन के संस्थापक सदस्यों में से एक गुरु मरिये पिल्लै ने की थी। इस साल के पुरस्कार की थीम 'कोविड महामारी के नायक' रखी गई क्योंकि इस साल 22 व्यक्तियों और समुदाय के संगठनों को महामारी के दौरान नागरिकों की मदद में भूमिका के लिए सम्मानित किया गया है। सभा की मैगी गोविंदन ने कहा हमें पुरस्कार के लिए बड़े पैमाने पर नामांकन प्राप्त हुए थे, इन सभी लोगों ने लॉकडाउन में अपनी जान खतरे में डालकर विभिन्न तरह से लोगों की मदद की। उन्होंने कहा कि कई अर्हता रखने वाले नामांकनों की वजह से उनमें से पुरस्कार के लिए चुनना मुश्किल कार्य था। इस साल हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धार्मिक नेताओं के अलावा एंबुलेंस सेवा, डॉक्टर, फार्मासिस्ट, अस्पताल, दाह गृह और अन्य नागरिक संगठनों और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया है जिन्होंने खतरे के बावजूद प्रभावित लोगों की मदद की। कोविड-19 महामारी से मौत से पहले लोगों की मदद करने के लिए थिरु सीरालिन नायडू को मरणोपरांत पुरस्कार प्रदान किया गया है।

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अंतिम चरण में, जल्द अंतिम रूप लेगा यह करार: विन्सेंट केवेनी

लंदन । भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। लंदन के लॉर्ड मेयर विन्सेंट केवेनी ने यह बात कही है। केवेनी हाल ही में चार दिवसीय भारत यात्रा के बाद लंदन वापस लौटे हैं। उन्होंने कहा कि एफटीए को लेकर कुछ मुद्दे अभी लंबित हैं, लेकिन दोनों पक्षों को उम्मीद है कि समझौते के मसौदे के लिए तय की गई दिवाली की समयसीमा को पूरा कर लिया जाएगा। केवेनी ने कहा कि भारत में उनका समय काफी अच्छा बीता। एफटीए को लेकर वार्ता अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह एफटीए पर दिवाली तक हस्ताक्षर चाहते हैं। हालांकि, कुछ मुद्दे अभी लंबित हैं, लेकिन दोनों पक्ष इस बात को लेकर आशान्वित हैं कि दिवाली तक की समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा।

उत्तरी चीन के लांच सेंटर से दागा गया कैजियूहो-1 ए सेटेलाइट।

तबाह हो चुकी है रूस की प्रोफेशनल आर्मी, अब शौकिया लोगों को ठिकाने लगाने की बारी: वालेरी जालुज्नी

कीव । यूक्रेन के एयर डिफेंस फोर्स ने एक रूसी ड्रोन को ओडेसा में मार गिराया है। दरअसल, रूसी सेना ने ओडेसा पर कामिकेज ड्रोन से हमला किया था। ओडेसा ओब्लास्ट सैन्य प्रशासन के एक प्रवक्ता सेर्ही ब्रैचुक ने 25 सितंबर को सुबह कहा कि ओडेसा शहर के केंद्र में स्थित प्रशासनिक भवन पर तीन बार हमला किया गया। इसके बाद एक रूसी ड्रोन को मार गिराया गया। ब्रैचुक ने कहा कि बचाव अभियान और आग बुझाने का काम जारी है। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यूक्रेन की सेना के कमांडर-इन-चीफ वालेरी जालुज्नी ने दावा किया कि हम रूसी पेशेवर सेना को खत्म कर चुके हैं, यह समय शौकिया सेना को खत्म करने का है। खबर है कि 24 सितंबर को डोनेट्स्क ओब्लास्ट में 2 नागरिक मारे गए और 8 घायल हुए हैं। गवर्नर पावलो किरिलेंको के मुताबिक रूसी सेना ने बखमुट और क्रास्नोहोरिवका में एक-एक नागरिक को मार डाला। डोनेट्स्क ओब्लास्ट में अब तक कम से कम 884 नागरिक मारे गए हैं। इसमें रूस के कब्जे वाले मारियुपोल और वोल्नोवाखा में मारे गए लोग शामिल नहीं हैं, जहां हजारों लोगों की हत्या किए जाने का दावा किया जा रहा है। जबकि अपने रात के वीडियो भाषण में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन जापोरिज्जिया, खार्किव, मायकोलाइव, निकोपोल, डोनबास और सभी यूक्रेनी शहरों और इलाकों में सभी हमलों का जवाब देगा। हम निश्चित रूप से खेरसॉन, लुहान्स्क, डोनेट्स्क, ओब्लास्ट और क्रीमिया तक अपने पूरे देश को मुक्त कराएंगे। उन्होंने कहा कि हर हत्यारे और जल्लाद को उसके किए की सजा मिलेगी, जो उन्होंने हम यूक्रेनियन के खिलाफ किए हैं।

पाक पीएम शहबाज शरीफ का हुआ लीक, भारत का है जिक्र

बीजिंग (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार के नेताओं की कथित बातचीत की और ऑडियो क्लिप रविवार को सामने आई, जिससे महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा और वहां हुई बैठकों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्पष्ट रूप से एक क्लिप में कड़ी सुरक्षा वाले पीएम हाउस में सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के कई वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई बातचीत सुनाई देती है। इसमें गृह मंत्री राणा सनाउल्ला, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, कानून मंत्री आजम तरार और आर्थिक मामलों के मंत्री अयाज सादिक को वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल की किस्मत और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों के नेशनल असेंबली से इस्तीफे के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है।

वहीं, एक अन्य ऑडियो क्लिप में कथित तौर पर पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच वित्त मंत्री इस्माइल के बारे में बातचीत होती सुनाई देती है। तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ की बेटी मरयम का सरकार में काफी प्रभाव है और वह इस्माइल की आलोचक हैं। मरयम को इसमें यह कहते सुना जा सकता है,

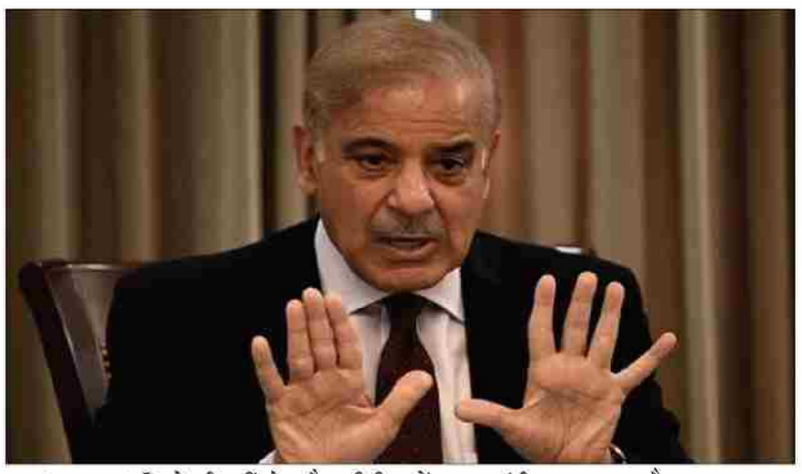

वह (इस्माइल) जिम्मेदारी नहीं लेता है... टीवी पर अजीब चीजें कहता है, जिसके लिए लोग उसका मजाक उड़ाते हैं...।'' बीच में, प्रधानमंत्री शहबाज की आवाज सुनाई देती है। मरयम यह कहती सुनाई देती हैं, अंकल, उसे नहीं पता कि वह क्या कर रहा है।''

इसके साथ ही वह पीएमएल-एन के दिग्गज इशाक डार की वापसी की कामना करती हैं, जिन्हें वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालने के लिए अगले सप्ताह वापस आने के लिए कहा गया है। दोनों क्लिप से पहले आई एक क्लिप में प्रधानमंत्री शहबाज और एक अज्ञात अधिकारी मरयम की इस इच्छा के बारे में बात करते सुनाई देते हैं कि उनके एक रिश्तेदार को भारत से कुछ मशीन आयात करने की अनुमति दी जाए। सरकार ने लीक क्लिप के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन विपक्षी पीटीआई पहले ही इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर आक्रामक है और उसने सरकार की निंदा की है। पीटीआई के नेता और पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल पारिवारिक मामलों की सुरक्षा में अधिक रुचि रखता है।

संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकियों को सूचीबद्ध करने में बाधा डालना संवेदनशील व्यवहार नहीं : जयशंकर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र की आतंकी सूची में शामिल किए जाने के प्रस्तावों को बार-बार बाधित किए जाने के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि आतंकवाद का इस्तेमाल 'राजनीतिक औजार' के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बगैर कोई कारण बताए किसी चीज को बाधित करना व्यावहारिक एवं संवेदनशील बर्ताव नहीं है।

विदेश मंत्री ने भारतीय संवाददाताओं से बातचीत में कहा हमारा मानना है कि अगर किसी प्रक्रिया में कोई पक्ष फैसला करता है तो उसे इस बारे में पारदर्शी होने की जरूरत है। ऐसे में, बिना कारण बताए किसी चीज को बाधित करना व्यावहारिक एवं संवेदनशील बर्ताव नहीं है। वह संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवादियों की सूची में पाकिस्तान के आतंकवादियों के नाम शामिल करने के प्रस्ताव को बार-बार बाधित किये जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

जयशंकर ने कहा यह मुद्दा मेरी कई बैठकों में उठा है। मैंने ब्रिक्स देशों के साथ बैठक में भी इसका उल्लेख किया था। उन्होंने यह बात संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर गुरुवार को ब्रिक्स के सदस्यों-ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका-के विदेश मंत्रियों की बैठक का संदर्भ देते हुए कहा। इस बैठक में जयशंकर के अलावा ब्राजील के विदेश मंत्री कार्लोस अल्बर्टो फ्रैंको फ्रांका, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री नलेदी पैंडर शामिल हुए। पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले वाले आतंकवादियों को सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 अलकायदा प्रतिबंध सूची में शामिल कराने के भारत, अमेरिका और अन्य देशों के प्रयास को यूएनएससी में वीटो अधिकार रखने वाले देश चीन ने कई बार बाधित किया है। पिछले हफ्ते चीन ने अमेरिका द्वारा पेश किये गए और भारत द्वारा समर्थित एक प्रस्ताव को रोक दिया था। यह प्रस्ताव लश्कर ए तैयबा के आतंकी साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए लाया गया था।

क्वॉड देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यथास्थिति में बदलाव संबंधी एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के समूह क्वॉड ने कहा कि वह हिंद प्रशांत क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने संबंधी किसी भी एकतरफा कदम का कड़ाई से विरोध करता है। यहां शुक्रवार को जारी संयुक्त बयान के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें वार्षिक सत्र से इतर समूह के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करने के लिए क्वॉड बहु पक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए बैठक की।

ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेन्नी वोंग, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, जापान के विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस बैठक में हिस्सा लिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''क्षेत्र के लिए क्वॉड का मानना है कि वहां नियम आधारित व्यवस्था स्थापित हो जहां स्वतंत्रता, कानून का शासन, लोकतांत्रिक मूल्य, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो।''बयान में कहा गया, ''हम क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने

और तनाव बढ़ाने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, शांति और सुरक्षा कायम रखने की प्रतिबद्धता दोहराई जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विकास और समृद्धि का आधार है।'' गौरतलब है कि चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है जबकि ताइवान, फिलीपीन, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम अपने-अपने हिस्से पर दावा करते हैं।

बीजिंग ने 6000 से अधिक उड़ानें की कैंसिल, रेल सेवाएं भी निलंबित, कारण का अभी तक पता नहीं

बीजिंग (एजेंसी)।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नजरबंद किए जाने की अटकलों के बीच सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें आईं कि शुक्रवार को चीन में 60प्र. उड़ानें रोक दी गईं। हालांकि, चीन सरकार की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि चीनी सेना के जनरल ली कियाओमिंग ने नए राष्ट्रपति का पदभार संभाल लिया है। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि बीजिंग ने 6,000 से अधिक घरेलू उड़ानें और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाई-स्पीड रेल द्वारा बेचे जाने वाले सभी टिकटों को निलंबित कर दिया गया है और रेल को अगली सूचना तक पूरी तरह से रोक दिया गया है।

बीजिंग से इस तरह की खबरें ऐसे समय में आई हैं जब #XiJinping ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है। चीन से कुछ रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा नजरबंद कर दिया गया है। चीनी मानवाधिकार

कार्यकर्ता जेनिफर जेंग द्वारा ट्विटर पर एक वीडियो साझा करने के बाद रिपोर्टें सामने आईं। वीडियो में सेना की कुछ गाड़ियां सड़क पर दौड़ती नजर आ रही हैं। जेंग ने पोस्ट में कहा कि काफिला 80 किमी लंबा था और अफवाह यह थी कि शी जिनपिंग को नजरबंद कर दिया गया है। वीडियो को साझा करते हुए जेंग ने लिखा कि पीएलए सैन्य वाहन 22 सितंबर को बीजिंग की ओर जा रहे हैं। बीजिंग के पास हुआनलाई काउंटी से शुरू होकर हेबेई प्रांत के झांगजियाकौ शहर में समाप्त होता पूरा काफिला 80 किलोमीटर तक लंबा है।

ट्विटर पर कई पोस्ट के अनुसार हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन के लिए समरकंद गए शी जिनपिंग को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, या पीएलए के प्रमुख के पद से हटा दिया गया था। इसके बाद The Casulers ने शनिवार को ट्वीट किया, 'बीजिंग हवाई अड्डे ने 6,000 से अधिक घरेलू उड़ानें और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया अभ्यास से पहले उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के सोल पहुंचने के बीच प्योंगयांग ने यह कदम उठाया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया एशियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम से बढ़ते खतरे के मद्देनजर संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल किम सियुंग-क्युम ने बताया कि उत्तर कोरिया द्वारा पश्चिमी शहर ताइकॉन से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल ने खुले आसमान में 60 किलोमीटर की अधिकतम ऊंचाई पर 600 किलोमीटर की दूरी तक उड़ान भरी। दक्षिण कोरियाई सेना ने उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण की कड़ी निंदा करते हुए इसे ''गंभीर उकसावे वाला कदम'' करार दिया और कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों का उल्लंघन करता है तथा क्षेत्र व व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ''शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है।''

वहीं, अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि मिसाइल प्रक्षेपण ने ''अमेरिकी कर्मियों या क्षेत्र या हमारे सहयोगियों के लिए तत्काल खतरा'' पैदा नहीं किया है, लेकिन इसने उत्तर कोरिया के अवैध परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रम के हानिकारक प्रभाव को उजागर किया है। उत्तर कोरिया ने इस साल अपनी मिसाइल परीक्षण गतिविधियां तेज कर दी हैं। वर्ष 2022 में वह अब तक 30 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है, जिसमें 2017 के बाद पहली बार एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण भी शामिल है। यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे समय किया गया है, जब अमेरिका का परमाणु चालित विमानवाहक पोत यूएसएस रोनाल्ड रीगन और उसका एक लड़ाकू दस्ता संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचा है।

इस बीच, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने एक बयान जारी कर कहा कि हालांकि, परीक्षण से तत्काल किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन तोक्यो उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण के बारे में जानकारी जुटाने और जहाजों व विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की ''पूरी कोशिश'' कर रहा है। उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम से बढ़ते खतरे का मुद्दा अगले हफ्ते सोल की यात्रा पर जा रहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की द्विपक्षीय मुलाकातों का मुख्य एजेंडा भी हो सकता है। हैरिस तोक्यो में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम

संस्कार में शामिल होने के बाद दक्षिण कोरिया रवाना होंगी।

रोजर फेडरर ने लेवर कप में अपने साथियों को सिखाए गुर

लंदन । रोजर फेडरर ने अपने खेल के करियर को अश्रुपूर्ण विदाई देने के एक दिन बाद दिखाया कि उन्होंने टेनिस को अलविदा नहीं कहा है। लंबे समय तक अपने प्रतिद्वंदी रहे राफेल नडाल के साथ मिलकर लेवर कप का युगल मैच खेलने के बाद संन्यास लेने वाले फेडरर इसके एक दिन बाद शनिवार को कोर्ट के बाहर नजर आए जहां से वह टीम यूरोप के अपने साथियों को टिप्स देते हुए दिखे। इस बीच उन्होंने नोवाक जोकोविच से भी बात की। फेडरर से टिप्स लेने वालों में माटेओ बेरेटिनी भी शामिल थे जो पिछले साल विंबलडन के फाइनल में जोकोविच से हार गए थे। बेरेटिनी ने कहा, 'कल जो कुछ हुआ वह हमेशा मेरे जेहन में बना रहेगा। मैं अगर यहां हूं तो उनकी वजह से हूं। फेडरर ने अभी तक अपनी भविष्य की योजनाओं का खुलासा नहीं किया है लेकिन उन्होंने वादा किया है कि वह खेल से जुदा नहीं होंगे। फेडरर की बेरेटिनी को दी गई सलाह काम आई और वह टीम विश्व के फेलिक्स ऑगर अलियासिम को 7-6 (11), 4-6, 10-7 से हराने में सफल रहे। बेरेटिनी ने कहा, 'फेडरर ने मुझे फोरहैंड और बैकहैंड को लेकर सलाह दी जिसका मुझे फायदा मिला।' टीम विश्व के टेलर फ्रिट्ज ने कैम नोरी को 6-1, 4-6, 10-8 से हराया लेकिन आखिरी मुकाबले में टीम यूरोप के जोकोविच ने फ्रांसिस टियाफो पर 6-1, 6-3 से जीत दर्ज की।

झूलन के संन्यास के साथ ही एक युग का समापन हुआ : गांगुली

जय शाह ने सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक बताया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की सराहना करते हुए कहा कि उनके संन्यास के साथ ही एक एक युग का अंत हो गया है। गांगुली ने 39 वर्षीय झूलन के दो दशक तक चले लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को यादगार बताते हुए कहा उनकी उपलब्धियां उभरती हुई क्रिकेटरों को प्रेरित करती रहेंगी। तेज गेंदबाज झूलन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला के बाद ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। झूलन ने साल 2002 में भारत की ओर से पदार्पण किया था। उन्होंने अपने करियर में 12 टेस्ट, 204 एकदिवसीय और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं। इन सभी में उन्होंने मिलकर कुल मिलाकर 355 विकेट लिए हैं।

गांगुली ने कहा, 'झूलन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करने के साथ ही एक युग का अंत हो गया। उन्होंने दो दशक तक गर्व के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने पूरी उत्कृष्टता के साथ भारतीय क्रिकेट की सेवा की है।% उन्होंने कहा, 'वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुआ थी और उनकी उपलब्धियां आने वाली क्रिकेटरों को प्रेरित करती रहेंगी। खेल में उनका योगदान अहम रहा है। मैदान पर उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति की कमी हमेशा ही खलेगी। इसके साथ ही वहीं उनकी उपलब्धियां भावी क्रिकेटरों को प्रेरित करती रहेंगी।% झूलन ने अपने करियर में सबसे ज्यादा पांच वनडे विश्वकप (2005, 2009, 2013, 2017 और 2022) में भाग लिया। इसके अलावा वह महिला विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। झूलन के नाम महिला क्रिकेट में 250 से अधिक विकेट हैं। वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, 'झूलन इस खेल को खेलने वाली सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी ने झूलन को सफल अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई दी

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को सफल अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई दी है। आईसीसी ने कहा कि खेल में इतने लंबे समय तक बने रहना विशेष बात है। आईसीसी ने झूलन को महिला क्रिकेट में विश्व की सबसे सफल गेंदबाजों में से एक बताया है। दो दशक के सफर के बाद झूलन ने गत दिवस इंग्लैंड के खिलाफ हुए तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। झूलन ने अब तक पांच आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खेले हैं। इसमें साल 2005 और 2017 में टीम फाइनल में पहुंची थी। वहीं आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने उनके लंबे करियर की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें खेल के महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। अलार्डिस ने कहा, 'झूलन का दो दशकों का लंबा और अविश्वसनीय करियर रहा है, जिसमें सभी प्रारूपों में उन्हें बड़ी सफलताएं मिली है। साथ ही कहा कि एक तेज गेंदबाज के लिए इतने लंबे समय तक खेल में बने रहना आसान नहीं होता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह महिला एकदिवसीय मैचों में विकेट लेने वालों की सूची में सबसे आगे है।' एलार्डिस ने कहा, 'झूलन के करियर के दौरान महिला क्रिकेट के विकास की यात्रा अहम रही। उनके रहने से खेल के लिए प्रति रुझान बढ़ा है। केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर में कई युवा प्रतिभाएं उनसे प्रेरित हुए होंगी। आईसीसी की ओर से मैं झूलन को शानदार करियर के लिए बधाई देता हूं।' गौरतलब है कि झूलन ने अपने करियर के दौरान 12 टेस्ट में 44 विकेट, 204 एकदिवसीय मैचों में 255 विकेट और 68 टी-20 में 56 विकेट लिये हैं। वहीं इंग्लैंड क्रिकेट ने भी झूलन की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें देखकर उन्हें नये क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी।

मंजीत नार्थ चैनल पार करने वाले पहले पहले एशियाई पैरा खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । दिव्यांग तैराक मंजीत ने नार्थ चैनल पार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हरियाण के झज्जर में रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपनी टीम के साथ 14 घंटे 39 मिनट में ही 36 किलोमीटर लंबे नॉर्थ चैनल को पार कर सबको हैरान कर दिया। मंजीत की टीम में कुल 6 खिलाड़ियों में से 3 दिव्यांग हैं। इस प्रकार मंजीत नार्थ चैनल पार करने पहले भारतीय और एशियाई पैरा खिलाड़ी बने हैं। उत्तरी आयरलैंड से स्काटलैंड के पोर्ट पैट्रिक तक आयोजित इस रिले रेस के लिए देश के 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। इन खिलाड़ियों में हरियाणा के मंजीत कादियान, मध्यप्रदेश के सत्येंद्र लोहिया, पश्चिम बंगाल से रिमो साहा, नागपुर से जयंत कुमार और असम से एल्विश और तमिलनाडु के स्नेहन शामिल थे। इन खिलाड़ियों में मंजीत सहित कुल तीन दिव्यांग खिलाड़ी भी थे। गौरतलब है कि एशिया के किसी भी दिव्यांग तैराक ने अब तक 36 किलोमीटर तैराकी का रिकॉर्ड नहीं बनाया था पर इस बार मंजीत सिंह सहित सभी खिलाड़ियों ने रिले में रिकार्ड बनाकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले मंजीत ने पांच अन्य पैरा तैराकों के साथ 9 घंटे 8 मिनट 39 सेकेंड में अरब सागर में 40 किलोमीटर तैरकर रिकॉर्ड बनाया था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने झूलन को जीत के साथ विदायी दी

लंदन ।

भारतीय महिला महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान इंग्लैंड टीम को हराकर अपनी अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को शानदार विदायी दी है। झूलन ने इस मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। झूलन ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस मैच के बाद संन्यास ले लेंगी। इस तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा के अर्धशतक की सहायता से 169 रन बनाये। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड को जीत के लिए 170 रन का लक्ष्य दिया था। इसका पीछा करते हुए मेजबान टीम 153 रनों पर ही सिमट गयी। अपने अंतिम मैच में झूलन ने 30 रन देकर दो विकेट जबकि रेणुका सिंह ने 29 रन देकर चार विकेट लिए। दीप्ति ने 106 गेंदों में सात चौकों की मदद से 68 रन बनाए इस पहले बल्लेबाजी के दौरान भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मेजबान टीम की गेंदबाज केट क्रॉस ने शुरुआती 4 विकेट लेकर भारत को करारा झटका दिया। केट ने शैफाली वर्मा को और यास्तिका भाटिया को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर को 4 और हरलीन देओल को रनों पर ही आउट कर दिया। इसबीच अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना क्रीज पर जमी रही और उसने अर्धशतक लगाकर टीम को संभाला। मध्यक्रम बल्लेबाज दीप्ति शर्मा ने इसके बाद टीम को संभाला। दीप्ति ने 106 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 68 रन बनाए। दीप्ति के अलावा पूजा वस्त्राकार ने 38 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत सामान्य रही। सलामी बल्लेबाज टेली 8 जबकि इमा लेम्ब 21 रन बनाकर आउ हुई। इन दोनो के पेवेलियन लौटने के बाद मध्य क्रम ढह गया। सोफिया 7, एलिसा 5 और डेनियल व्हाइट 8 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। एमी जोंस ने 28 रन बनाये जबकि सोफिया इस्सेलस्टोन खाता भी नहीं खेल पायीं। गई। चार्लोट डीन ने 47 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने का प्रयास किया पर दीप्ति शर्मा के एक शानदार थ्रो पर वह रन आउट हो गयीं।

यशस्वी , जयदेव के शानदार प्रदर्शन से पश्चिम क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी खिताब जीता

दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराया

कोयंबटुर ।

पश्चिम क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराकर दलीप ट्रॉफी खिताब जीत लिया है। पश्चिम क्षेत्र की जीत में यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक (265) के साथ ही तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के छह विकेटों की अहम भूमिका रही। यशस्वी के दोहरे शतक से पश्चिम क्षेत्र ने दूसरी पारी में 585 रनों का विशाल स्कोर बनाने के साथ ही दक्षिणी क्षेत्र को 528 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए दक्षिणी क्षेत्र की टीम 234 रनों पर ही सिमट गयी। दक्षिणी क्षेत्र की ओर से टी रवि तेजा और रविश्रीनिवासन साई किशोर ने अंतिम दिन अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्कोर छह विकेट पर 154 रनों से आगे बढ़ाया। दोनों ने पहले एक घंटे में ही 49 रन बना दिये पर किशोर का विकेट गिरते ही बचे हुए तीन खिलाड़ी भी जल्द ही पेवेलियन लौट गये। दक्षिण के अंतिम बल्लेबाज कृष्णप्पा गौतम को आउट होने ही पश्चिम क्षेत्र को 294 रनों से बड़ी जीत मिल गयी। रोहन कुन्नुमल 93 के बाद रवि तेजा ने दक्षिणी क्षेत्र की ओर से सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। वहीं साई किशोर ने भी उनका अच्छा साथ दिया। पांचवें दिन तेजा और यशस्वी के बीच छींटाकसी को लेकर मैदान में विवाद भी हुआ, जिसके बाद पश्चिमी क्षेत्र के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने यशस्वी को मैदान से बाहर कर दिया। इसके बाद पश्चिमी क्षेत्र की टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेल आगे बढ़ाया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय खेलों को बताया खास

खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में इसी माह 27 सितंबर से शुरु होने वाले राष्ट्रीय खेलों को खास बताते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए इस दौरान उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ''गुजरात में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन एक बड़ा ही खास अवसर है, क्योंकि यह कई साल बाद हो रहा है। कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल से ये खेल नहीं हो पाये थे।'' प्रधानमंत्री ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''इस दिन आपका उत्साह बढ़ाने के लिए मैं भी स्टेडियम में उपस्थित रहूंगा।'' 36वें राष्ट्रीय खेल 27 सितंबर से 10 अक्टूबर तक गुजरात में होंगे। इन खेलों का आयोजन छह शहरों-गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट और भावनगर में किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों के दौरान 36 खेलों की स्पर्धाओं का आयोजन होगा, जिनमें 28 राज्यों और आठ केंद्र-शासित प्रदेशों के प्रतियोगी भाग लेंगे। इस बार रोलर स्केटिंग, सॉफ्टबॉल और सॉफ्ट टेनिस को भी राष्ट्रीय खेलों में शामिल किया गया है जबकि बीच हैंडबॉल, बीच वॉलीबॉल और नौकायन को आयोजन से बाहर कर दिया गया है। दूसरी ओर योगासन और मलखंब को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया है। वहीं साल 2015 में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन केरल में हुआ था। इसमें 33 खेलों की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया था। इसके बाद कई अन्य कारणों ये खेल नहीं हो पाये थे।

दीप्ति के चार्ली को रन आउट करने के तरीक पर हुआ विवाद

लंदन । इंग्लैंड के खिलाफ यहां लॉर्ड्स मैदान में हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम टीम की दीप्ति शर्मा ने जिस प्रकार स्ट्राइकर एंड पर गेंद फेंककर मेजबान टीम की चार्ली डीन को आउट किया उससे मैदान में विवाद भी हुआ। आउट करार दिये जाते ही चार्ली ने गुस्से में अपना बल्ला फेंक दिया और रोने लगी। चार्ली जब आउट हुई तो वह 47 रनों पर खेल रहीं थीं। दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कुछ लोगों ने इसे खेल भावना के विपरीत बताया है जबकि कुछ ने सही करार दिया है। पहले इस तरह के रन आउट को ठीक नहीं माना जाता था पर मार्च में मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने इसे अनफेयर कैटेगेरी से निकालकर रन आउट में डाल दिया और हाल के दिनों में आइसीसी ने भी इसे सही करार देकर है। यह नियम यह 1 अक्टूबर से लागू भी कर दिया जाएगा। इसलिए दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके का पूर्व भारतीय क्रिकेटरों आकाश चोपड़ा और वसीम जाफर ने भी बचाव किया है। चार्ली के आउट होते हुए भारतीय टीम ने यह मैच जीतने के साथ ही सीरीज भी अपने नाम कर ली। इस विवाद से भारतीय टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के विदायी मैच में भी अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। झूलन ने अपने इस विदायी मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर दो विकेट लिए। इस के साथ ही उनके कुल एकदिवसीय विकेटों की संख्या 255 तक पहुंच गयी।

अब 9 की जगह 5 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया जाएगी भारतीय टीम, कंडीशनिंग के लिए खेलेगी अभ्यास मैच

-बीसीसीआई ने स्वीकार किया कोच राहुल द्रविड का सुझाव

नई दिल्ली ।

हिटमैन रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इंडिया की नजरें टी20 वर्ल्ड कप पर लग गई हैं। भारतीय टीम अपनी तैयारियों में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ना चाहती। टी20 वर्ल्डकप टूर्नामेंट से पहले टीम इंडिया अपनी कमजोरियों और ऑस्ट्रेलिया की कंडीशंस में ढलने के लिए खास तैयारी करने की योजना बनाई है। इसके लिए भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ को अपना बेस बनाने का निर्णय लिया है। बीसीसीआई ने भी इसके लिए हरी झंडी दे दी है। पर्थ को बेस बनाने की सबसे बड़ी वजह वहां के विकेटों में अतिरिक्त उछाल का होना है। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय बल्लेबाज यहां प्रैक्टिस कर उछाल और अतिरिक्त गति से तालमेल बिठा लेना चाहते हैं। ताकि विश्व कप में उन्हें तेज रफ्तार गेंदों को खेलने में कोई दिक्कत न हो। जानकारी के मुताबिक, टीम इंडिया पर्थ में 2 हफ्ते तक अभ्यास करेगी और विश्व कप के वार्म अप मैच से पहले इंट्रा स्क्वॉड मुकाबले खेलेगी। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम वर्ल्ड कप के लिए दो या ढाई हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलिया पहुंच जाएगी। टीम पर्थ में ट्रेनिंग और प्रैक्टिस करेगी। इतना ही नहीं, वहां कुछ प्रैक्टिस मैच भी खेले जाएंगे। टीम इंडिया पहले 9 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन कोच राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई से टीम के लिए अतिरिक्त प्रैक्टिस मैच कराने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। इसे बीसीसीआई ने स्वीकार करते हुए टीम को कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया भेजने का फैसला किया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि हम कुछ टीमों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जो आईसीसी द्वारा रखे गए वॉर्म अप मैच के अलावा हमारे साथ प्रैक्टिस मैच खेल सकें। टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टी20 की सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इतने ही मैच की टी20 सीरीज खेलनी है। इसका आखिरी मुकाबला 4 अक्टूबर को इंदौर में खेला जाना है। अब भारतीय टीम इस मैच के खत्म होने के बाद 5 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। पहले टीम की योजना 9 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया जाने की थी। ऑस्ट्रेलिया के लिए जल्दी उड़ान भरने के साथ ही भारतीय टीम नेट बॉलर और स्टैंडबाय खिलाड़ियों को लेकर साथ जाएगी। वहीं, आईसीसी द्वारा टीम इंडिया के लिए शेड्यूल किए गए दो वार्म अप मैच न्यूजीलैंड (17 अक्टूबर) और ऑस्ट्रेलिया (18 अक्टूबर) के अलावा बीसीसीआई ऑस्ट्रेलिया में टीम के लिए कम से कम 3 अभ्यास मैच की योजना पर काम कर रही है। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी।

मुझे दबाव की परिस्थितियों में भी बड़े शॉट खेलने में मदद मिलती : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम में 'फिनिशर की भूमिका निभा रहे दिनेश कार्तिक ने कहा कि वह बहुत अधिक अभ्यास नहीं करते लेकिन कुछ विशेष चीजों पर ध्यान देते हैं। कार्तिक ने अनुसार ऐसा करने से उन्हें बेहद दबाव की परिस्थितियों में भी बड़े शॉट खेलने में मदद मिलती है। कार्तिक से जब तैयारियों के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि नेट अभ्यास में इस तरह की परिस्थितियां तैयार करने से उन्हें मदद मिलती है। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से इसका अभ्यास कर रहा हूं। मैंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए ऐसा किया और अब भारतीय टीम के लिए कर रहा हूं। कार्तिक ने कहा,''मैं इस तरह की परिस्थितियां तैयार करके अभ्यास करता हूं और राहुल द्रविड़ व विक्रम राठौड़ भाई भी इसमें मेरी मदद करते हैं। कार्तिक ने कहा, मैं बहुत अधिक अभ्यास नहीं करता लेकिन जहां तक संभव हो सके कुछ खास चीजों पर ध्यान देता हूं। मोहाली में पहले मैच में कार्तिक को अक्षर पटेल के बाद बल्लेबाजी के लिए भेजा गया लेकिन दूसरे मैच में उन्हें बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर से पहले उतारा गया। कार्तिक ने कहा, यह ऐसा है जिसको हम आजमा रहे हैं। कुछ अवसरों पर कुछ ओवर बचे होते हैं, जिसमें अक्षर स्पिनरों पर हावी होकर खेल सकता है। इसके पीछे तर्क है उस चरण में बाएं हाथ के बल्लेबाज और लेग स्पिनर का अच्छा मुकाबला होगा, इसलिए कुछ अवसरों पर हम यह विकल्प आजमाते हैं।

महिला टी20 विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और थाईलैंड सहित दस टीमें को मिला प्रवेश

अबू धाबी । बांग्लादेश और आयरलैंड ने अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2023 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इन दोनो ही टीमों ने अबू धाबी में खेले गए क्वालीफार में जिम्बाब्वे और थाईलैंड को हराकर विश्वकप के लिए जगह बनायी। इसी के साथ ही उन 10 टीमों के नाम अब तय हो गये हैं। जो अगले साल विश्वकप के इस आठवें संस्करण में शामिल होंगी। मौजूदा चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ ही भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और वेस्टइंडीज सहित कुल 8 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए रैंकिंग के आधार पर पहले ही प्रवेश हासिल कर लिया था जबकि आयरलैंड और बांग्लादेश ने अब अपनी जगह पक्की की है। साल 2020 में अंतिम बार टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। इसके बाद कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल यह टूर्नामेंट नहीं हुआ था।

सरकार आने से समृद्ध होगा गुजरात का हर बच्चा : केजरीवाल

अहमदाबाद, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार गुजरात के दौरे कर रहे हैं। रविवार को यहां एक सभा संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात के लोग अगर आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाते हैं तो राज्य का हर बच्चा समृद्ध होगा। इस दौरान उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद रहे।

केजरीवाल ने कहा, मैं देख रहा था कि गुजरात के वॉट्सएप ग्रुप में एक अद्भुत संदेश साझा किया गया जा रहा है जिसे मैं भी फॉलो करता हूं। जिसमें वह कहता है कि अगर आप कांग्रेस को वोट देते हैं तो सोनिया गांधी का बेटा समृद्ध होगा। यदि आप भाजपा को वोट देते हैं तो अमित शाह का बेटा समृद्ध होगा, और अगर आप आम आदमी पार्टी को वोट देते हैं तो गुजरात का हर एक बच्चा समृद्ध होगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आप सरकार ने छह महीने से भी कम समय में राष्ट्रीय राजधानी में 12 लाख और पंजाब में 20 हजार नौकरियां दीं, उसी तरह राज्य की सत्ता में आने पर पार्टी गुजरात में 10 लाख नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने फिर से गुजरात के लिए जॉब कैलेंडर का जिक्र किया और कहा कि आम आदमी पार्टी स्कूलों में शिक्षकों के पदों को भरेगी, नए कॉलेज और मोहल्ला क्लीनिक खोलेगी और अस्पतालों में अधिक डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारी प्रदान करके 10 लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करेगी।

आप नेता ने आगे कहा, मेरा मानना है कि अगर 10 लाख नौकरियां कम होंगी तो हम पांच साल में 20 लाख सरकारी नौकरियां दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि आप युवाओं को नौकरी मिलने तक तीन हजार रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देगी। उन्होंने दावा किया कि लोग भाजपा को वोट देते हैं क्योंकि कांग्रेस और भी बदतर है, लेकिन इस बार उनके पास नए चेहरों और नई राजनीति वाली ईमानदार पार्टी आप का विकल्प है।

तेलंगाना पर पांच लाख करोड़ का कर्ज, केसीआर ब्लैकमेल कर केंद्र से मांग रहे ऋण : जी किशन रेड्डी

हैदराबाद, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने तेलंगाना सरकार और केसीआर पर जमकर निशाना साधा है। राजधानी हैदराबाद में रविवार को उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना की वित्तीय हालत मंदी में है और मुख्यमंत्री केसीआर अपनी गलतियों के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना पांच लाख करोड़ रुपये के कर्ज में डूब गया है। केसीआर सरकार विभिन्न योजनाओं और विभागों के लिए नियमित खर्च करने में फेल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि केसीआर केंद्र सरकार को और अधिक ऋण के लिए ब्लैकमेल कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार की हालत ये हो गई है कि वह विभिन्न योजनाओं और विभागों को भुगतान करने की स्थिति में भी नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिना ऋण लिए वे अपने कर्मचारियों को वेतन तक नहीं दे पा रहे हैं। केसीआर एक काल्पनिक दुनिया में रह रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर राज्य में विपक्षी नेताओं और सामाजिक संगठनों के लोगों से मिलने से कतराते रहते हैं, लेकिन विशेष उड़ानों से जब वह बाहर जाते हैं और विभिन्न नेताओं से मिलते हैं तो ऐसा दिखाते हैं जैसे कि वह एक ही व्यक्ति है जो राष्ट्र का उत्थान कर सकता है। उन्होंने कहा कि राव लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं और जनता से कह रहे हैं कि राज्य विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र द्वारा दिए गए मुफ्त चावल को समय पर वितरित करने में विफल रही है। टीआरएस सरकार के दावों को खारिज करते हुए रेड्डी ने कहा कि केंद्र ने हमेशा यह कहा है कि यह जरूरी नहीं है क्योंकि यह राज्य सरकार का विशेषाधिकार है कि किसानों को मुफ्त बिजली दी जाए या नहीं। इस दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि टीआरएस सरकार ने राज्यपाल का अपमान किया है।

गौरतलब है कि केसीआर लगातार केंद्र और भाजपा पर निशाना साधते रहते हैं। हाल ही में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में एक गैर-भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद देश भर के किसानों को मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने भाजपा सरकार और पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधते हुए उन्होंने केंद्र पर किसानों को कृषि पंप सेटों में मीटर लगाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार उर्वरकों, डीजल और अन्य साधनों की लागत बढ़ाकर किसानों के लिए खेती करना मुश्किल बना रही है। मोदी सरकार इसलिए ऐसा कर रही है ताकि खेती की जमीन को किसानों से छीन लिया जा सके और उद्योगपतियों को दे दिया जाए।

कश्मीर के स्कूलों में 'भजन', 'सूर्य नमस्कार' पर बैन की मांग

श्रीनगर, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। स्थानीय मुस्लिम विद्वानों के एक निकाय ने मांग की है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन को घाटी के स्कूलों में हिंदू 'भजन' और 'सूर्य नमस्कार' पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। इस्लामी विद्वान 'मुत्ताहिदा मजलिस-ए-उलेमा' (धार्मिक विद्वानों का संयुक्त निकाय) का हिस्सा हैं, जो घाटी में लगभग 30 इस्लामी और शैक्षणिक संस्थानों का एक निकाय है।

धर्मगुरुओं ने कश्मीर संभाग के स्कूलों में भजन और सूर्य नमस्कार पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि यह प्रथा स्थानीय मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को आहत करती है।

नेताओं ने शनिवार को पुराने श्रीनगर शहर नौहट्टा इलाके में जामिया मस्जिद में मुलाकात की और एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें आरोप लगाया गया कि 'स्कूली बच्चों को भजन गाने और सूर्य नमस्कार करने के लिए कहने की प्रथा ने स्थानीय मुसलमानों में पीड़ा पैदा की है।'

मुस्लिम विद्वानों के निकाय ने यह भी कहा है कि इस प्रथा का उद्देश्य कश्मीर की पहचान को खत्म करना है।

प्रस्ताव में कहा गया है, 'हम स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ाने की प्रथा का कड़ा विरोध करते हैं।'

पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के एक सरकारी स्कूल में शिक्षकों के कहने पर स्कूली बच्चों के भजन गाते और सूर्य नमस्कार करते हुए एक वीडियो पोस्ट कर विवाद खड़ा कर दिया।

इसके विपरीत, एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री, उमर अब्दुल्ला, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष हैं, को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था, 'हम दो राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास नहीं करते।

भारत सांप्रदायिक नहीं है, भारत धर्मनिरपेक्ष है। अगर मैं भजन जप रहा हूं, तो क्या यह गलत है?'

सोना घोटाले की आंच सीएम ऑफिस तक पहुंची : नड्डा

तिरुवनंतपुरम, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। केरल के कोट्टायम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम ने फैसला किया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्मदिन (25 सितंबर) को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाए। जो लोग वंचित हैं उन्हें सशक्त बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान माकपा सरकार एक ऐसी स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रही है जहां सरकार कर्ज के जाल में फंस जाएगी। कर्ज अब लगभग दोगुना हो गया है। यहां तक कि सीएम कार्यालय भी भ्रष्टाचार के दायरे से बाहर नहीं है। सोना घोटाले की आंच सीएम ऑफिस तक पहुंच गई है।

नड्डा ने कहा कि अराजकता है, फ्रिंज तत्व बढ़ रहे हैं। हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है। मैं अपने उन कार्यकर्ताओं को सलाम करता हूं जो इन सबके बावजूद दिन-रात काम कर रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, पीएम गरीब कल्याण योजना और पीएम किसान योजना जैसी विभिन्न योजनाएं हमारी केंद्र की सरकार चला रही है। यह कल्याणकारी उपाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किए हैं। इससे देश भर के करोड़ों परिवार लाभान्वित हुए हैं।

इस दौरान भाजपा नेता प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि प्रधानमंत्री सपने देखने और उन्हें पूरा करने पर जोर दे रहे थे, जबकि कई लोग सिर्फ सपने देखते हैं और कभी पूरा नहीं करते। पीएम मोदी ने लगातार 20 वर्षों तक एक राज्य और फिर केंद्र के राजनीतिक प्रमुख के रूप में रहकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात सुनने के बाद बूथ स्तर पर बैठक करने का निर्देश दिया। केरल के दो दिवसीय दौरे पर आए नड्डा ने यह निर्देश प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम के प्रसारण के बाद कोच्चि के करीब अलुवा में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से बात करते हुए दिया।

राजस्थान में सीएम बदलने पर गिर सकती है सरकार : सुभाष गर्ग

जयपुर, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कट्टर समर्थक राजस्थान के मंत्री सुभाष गर्ग राज्य में सीएम बदलने के मुद्दे को लेकर चिंतित दिखे और परोक्ष रूप से धमकी देते हुए कहा कि अगर दूसरे 'खेमे' से सीएम बनाया गया तो सरकार गिर सकती है। मुख्यमंत्री की दौड़ में सचिन पायलट का नाम सबसे आगे चल रहा है।

सुभाष गर्ग ने कहा, जब सरकार संकट में थी, तो 102 विधायक गहलोत के साथ खड़े थे। अब, अगर मनेसर गए किसी भी विधायक को सीएम बनाया जाता है, तो सरकार गिर सकती है। आलाकमान को जनता की भावनाओं के अनुसार फैसला करना चाहिए।

इस बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन और पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को जयपुर पहुंचे। शाम सात बजे होने वाली कांग्रेस विधायक दल की बैठक के लिए दोनों नेताओं को पर्यवेक्षक बनाया गया है। मीडिया से बात करते हुए, माकन ने कहा, बैठक शाम 7 बजे होगी .. अभी कुछ नहीं बता सकता .. शाम को बैठक के बाद ही मैं कुछ कह पाऊंगा.. सोनिया गांधी ने मुझे और मल्लिकार्जुन खड़गे को विधायकों की राय लेने के लिए भेजा है.. बैठक के बाद मीडिया के साथ अपडेट साझा करेंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। इसी के तहत नए सीएम के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

सूत्रों ने बताया कि रविवार को होने वाली विधायक दल की बैठक में अगले मुख्यमंत्री के नाम पर विधायकों की राय ली जाएगी।

माकन ने आगे कहा, मुझे और खड़गे को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा है.. सीएलपी की बैठक आज शाम सात बजे हमारी मौजूदगी में मुख्यमंत्री आवास पर होगी.. विधायकों से सलाह ली जाएगी।

यह पूछे जाने पर कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा, माकन ने इसे टाल दिया और कहा, ''मैं अभी इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। मैं बस इतना कह सकता हूं कि शाम को विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। उसके बाद कुछ कहा जा सकता है।

इस बीच, कयास लगाए जा रहे हैं कि पायलट सीएम पद के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। नया सीएम चुनने के लिए कांग्रेस आलाकमान को फैसला लेना है।

अब तस्वीर स्पष्ट दिखने लगी क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किए जाने से पहले ही नए सीएम के चयन की कवायद शुरू हो गई है। इससे पता चलता है कि गहलोत को बदलने पर आलाकमान जल्द ही कोई फैसला लेना चाहता है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान के नए सीएम पर फैसला कर लिया है।

नीतीश कुमार की हैसियत बस दो सांसद की : केशव प्रसाद मौर्य

भदोही, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। विपक्ष के साथ महागठबंधन बनाने में जुटे बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार लोकसभा का चुनाव यूपी से लड़ेंगे तो उनकी जमानत जब्त हो जाएगी। वह भदोही कलेक्ट्रेट सभागार में रविवार देर शाम पत्रकारों से बात कर कर रहे थे।

सोनिया गांधी, नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव की दिल्ली में हुई मुलाकात पर डिप्टी सीएम ने कहा कि 2024 में पहले से ज्यादा सीटें हम जीतेंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की हैसियत दो सांसद की है। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 100 में से 60 हमारा है, 40 वोटों में बंटवारा है और बंटवारे में भी हमारा है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अगर नीतीश कुमार यूपी से चुनाव लड़ें तो जमानत जब्त हो जाएगी। 2014 के चुनाव में नीतीश कुमार बिना मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़े थे। उनके चेहरे पर दो सांसद जीते थे। गौरतलब कि फूलपुर के बाद अब मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चुनाव लड़ने की चर्चा चल पड़ी है।

भदोही के गजधरा गांव में समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुंडे और माफिया की कोई जाति नहीं होती। भाजपा सरकार में अपराधी जेल में बंद है। मुख्तार जैसे अपराधी अब चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में माफिया और दलाल जनता के पैसे खाते थे, लेकिन अब लाभार्थी के खाते में सरकार की ओर से भेजी गई रकम पहुंच रही है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार और समाज एक रथ के दो पहिए हैं। दोनों के तालमेल से ही विकास होगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है।

कहा कि गांव स्वच्छ होगा तो प्रदेश भी साफ रहेगा। गांव में अगर गंदगी है तो बीमारी फैलेगी। परिवार को बीमारी पर अधिक खर्च करना होगा। इसलिए स्वच्छता को अपनाएं। पर्यावरण में हो रहे बदलाव के लिए कम पौधरोपण को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम बदल रहा है। जल संरक्षण के लिए अमृत सरोवर बन रहे हैं। घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है।

गजधरा स्थित अमृत सरोवर के समीप बने ओपेन जिम का डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शुभारंभ किया। उन्होंने कसरत भी किया। कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हर रोज कसरत करनी चाहिए। इसलिए सरकार गांव-गांव में ऐसी व्यवस्था कर रही है। इसके बाद गांव में इंटरलाकिंग सहित अन्य विकास कार्यों का भी लोकार्पण किया।

तीसरा नहीं, मुख्य गठबंधन बनेगा जो बीजेपी को हराएगा : नीतीश

फतेहाबाद, 25 सितम्बर (एजेन्सी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि देश में तीसरा नहीं बल्कि मुख्य गठबंधन बनेगा, जो भाजपा को हराएगा। सभी विपक्षी दलों को एक साथ मिलना होगा। कांग्रेस से भी हमने अनुरोध किया है। अगर सभी दल मुख्य गठबंधन में शामिल होकर साल 2024 में चुनाव लड़ेंगे तो भाजपा बुरी तरह हारेगी। केंद्र की भाजपा सरकार ने मीडिया सहित हर चीज पर नियंत्रण कर लिया है। समाज को हिंदू-मुस्लिम में बांटना चाहते हैं।

नीतीश कुमार रविवार को फतेहाबाद की नई अनाज मंडी में इंडियन नेशनल लोकदल द्वारा पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की 109वीं जयंती पर आयोजित सम्मान दिवस रैली को संबोधित कर रहे थे।

नीतीश कुमार ने इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला से मुखाबित होते हुए कहा कि चरण स्पर्श करके आग्रह करता हूं कि विपक्ष को एकजुट कीजिए। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग पार्टियां हैं, सबको जोड़िए। साल 2024 में मुख्य गठबंधन की सरकार बनने पर ही सबके उत्थान के लिए मिलकर काम किया जा सकेगा।

अपने 20 मिनट के भाषण में नीतीश कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार ने बिहार राज्य के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए कोई मदद नहीं की। इसलिए हमने उनसे गठबंधन तोड़कर राष्ट्रीय जनता दल का साथ लिया। अब बिहार में भाजपा न तो लोकसभा चुनाव जीत पाएगी और न ही विधानसभा। बिहार में सात पार्टियां एक साथ आ चुकी हैं, सिर्फ एक भाजपा ही अलग है।

रैली में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार ने हथोड़ा मार दिया है। अब भाजपा नहीं बचेगी। भाजपा की सोच है कि देश में सिर्फ भाजपा और संघी ही रह जाएं, बाकी सब खत्म हो जाए। हरियाणा के किसानों ने भाजपा व संघियों को अच्छा सबक सिखाया। एनडीए के सभी दल छोड़ कर जा चुके हैं। हरियाणा में भी भाजपा सरकार गरीब के परिवार से कलम छीनना चाहती है।

रैली को इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला के अलावा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, माकपा नेता सीताराम येचुरी, पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल, शिवसेना के सांसद अरविंद सावंत, मिजोरम के विधायक नेवल कुमार, जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी सहित कई दलों के नेताओं ने संबोधित किया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

उत्तर 24 परगना के एक युवा ने ₹1 करोड़ जीते

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के श्री प्रेमांश राजगढ़िया ने **21.08.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **83K 17590** है। "इस युवा उम्र में ही डियर लॉटरी से एक करोड़ रुपए पुरस्कार राशि जितना बहुत ही अच्छा संकेत है। मुझे लगता है कि डियर लॉटरी भी काफी सारे लोगों को रोजगार दे रही है तथा मैंने उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए ही टिकटें खरीदी हैं। मैं इस पुरस्कार राशि का उपयोग बचत के माध्यम से अपने परिवार की बेहतरी के लिए करूंगा। इसके अलावा मैं बची हुई राशि का उपयोग अपनी आगे की पढ़ाई में करूंगा। यह मेरे जैसे युवाओं के लिए जीवन में कुछ साबित करने हेतु एक बड़ा प्रोत्साहन है। डियर लॉटरी को बहुत-बहुत धन्यवाद।" विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com